आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail: tarunpressraipur@gmail.com tarun_press@yahoo.co.in
Web: www.tarunchhattisgarh.in facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 13 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-14 ■ वर्ष -42 ■ अंक-106 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 14 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर गरमाया सदन

रायपुर, 13 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर छत्तीसगढ़ विधानसभा पक्ष और विपक्ष के बीच नोंक-झोक हुई. मुद्दे पर भारी हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही कल तक लिए स्थगित कर दी गई. सदन के बाहर नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने आज के दिन को छत्तीसगढ़ के इतिहास का काला दिन बताते हुए राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच सीबीआई से कराने की मांग की.

स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य होने के बाद विपक्ष के हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी थी. दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू होते ही फिर से सत्तापक्ष और विपक्ष में तीखी नोक-

जोख होने लगी. सदन में दोनों तरफ से जय श्री राम के नारे लगे. एक तरफ जहां कांग्रेस विधायक 'पाकिट मारना बंद करो' के नारे लगा रहे थे, तो वहीं दूसरी ओर सत्ता पक्ष के विधायक 'पाप धोने अयोध्या जाओ' कहकर विपक्ष पर तंज कस रहे थे. स्थिति को देखते हुए स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी. सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में जो हुआ, वह करोड़ों राम भक्त के लिए काला दिन है. हमने राम मंदिर में हुई लूट पर चर्चा की मांग की थी. हम विपक्ष के साथी भक्तों की बात रखना चाहते थे, लेकिन हमें चर्चा की अनुमति नहीं दी गई. हर छत्तीसगढ़िया व्यक्ति का चंदा गया है. 1 रुपये से लेकर लाखों रुपये का चंदा दिया गया. हम इस पर जाँच की मांग करते हैं. चंदा चोरी की जांच सीबीआई से होनी चाहिए.

भारी हंगामे के बाद कार्यवाही कल तक लिए स्थगित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया. सदस्यों में मुद्दे पर तीखी बहस के बीच कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव पेश किया, जिसे अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अग्राह्य कर दिया.भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह विधानसभा का विषय नहीं है. इस पर महंत ने कहा कि 23 फरवरी 2024 को सदन में कृतज्ञता ज्ञापन पेश किया था. उस वक्त सदन की भावना जुड़ी थी. आज सत्तापक्ष इस विषय पर निंदा प्रस्ताव ले आए, हम समर्थन करेंगे. छत्तीसगढ़ के लोगों के पैसों की लूट पर चर्चा चाहते हैं.

अजय चंद्राकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि किसने लूटा आप नाम बताइए. इस पर महंत ने कहा जिस त्रिलोकीनाथ की चर्चा स्वर्ग में होती है, जिस राम के नाम की चर्चा होती है, दुर्भाग्य है कि उनके नाम पर यहाँ चर्चा पर आपत्ति जताई जा रही है. संख्या के आधार पर सत्तापक्ष ने सदन में कृतज्ञता ज्ञापन लाकर अपनी भावना जाहिर की थी. तब बृजमोहन अग्रवाल सदस्य के रूप में इस प्रस्ताव को लेकर आए थे.

उन्होंने कहा कि उस दिन आस्था, विश्वास, प्रेम और समर्पण की भावना दिखाई थी. आज हम राम को लेकर चर्चा चाहते हैं, तो आपत्ति हो रही है. हमने ईंट दिया है, पैसा दिया है. क्या हमारी आस्था नहीं जुड़ी है?

अजय चंद्राकर ने कहा कि आपका कोषाध्यक्ष तीन साल से कहाँ लापता था? तब खूब चंदा चकोरी हुई है. उस पर बात कर लीजिए. आप अयोध्या की बात कर रहे हैं. भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि आपकी पार्टी ने तो राम के अस्तित्व को नकार दिया है. उन्होंने कहा कि इतिहास में दर्ज है कि कभी-कभी शैतान भी बाइबिल पड़ता है. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब शिलापूजन के लिए राज्य से पैसा गया. छत्तीसगढ़ के लोगों ने वहां जाकर चंदा दिया. जिसकी डकैती डल गई। उस पर चर्चा पर आपत्ति क्यों? हमारे पैसे की डकैती हुई है तो इस पर चर्चा क्यों नहीं हो सकती। अयोध्या में निर्माण कार्य में 40 फ़ीसदी तक कमीशन लिया गया.

बीएड-डीएड और भर्ती के मुद्दे पर लता उसेंडी ने मंत्री को घेरा

रायपुर, 13 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पांच दिवसीय मानसून सत्र की शुरुआत आज से हो गई है। पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक लता उसेंडी ने कोंडागांव स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में बीएड और डीएड पाठ्यक्रम संचालित नहीं होने, विश्वविद्यालय में रिक्त पदों पर भर्ती और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन को लेकर सरकार से सवाल किए। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने सदन में बताया कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में भर्ती से संबंधित वर्तमान में किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। इस पर विधायक लता उसेंडी ने पूछा कि जब उत्तर में मामले के निराकरण की बात कही गई है, तो विश्वविद्यालय में बीएड और डीएड की कक्षाएं क्यों संचालित नहीं हो रही हैं। जवाब में मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अभी बीएड और डीएड के नए पाठ्यक्रम शुरू नहीं किए गए हैं। नई शिक्षा नीति-2020 के तहत इन पाठ्यक्रमों को चार वर्षीय

स्वरूप में संचालित किया जाएगा।

लता उसेंडी ने आगे पूछा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रदेश के किन-किन विश्वविद्यालयों में लागू की गई है और क्या महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में भी इसे लागू किया गया है। इस पर मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में लागू है और महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय भी इससे अछूता नहीं है। हालांकि, विधायक उसेंडी ने दावा किया कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ है। इस पर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं को देखते हुए नया सांख्यिकी विभाग खोला जा रहा है तथा संस्थान ने आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू भी किया है।विश्वविद्यालय में रिक्त पदों का मुद्दा उठाते हुए लता उसेंडी ने कहा कि विश्वविद्यालय में कुल 265 पद स्वीकृत हैं, लेकिन नियुक्तियां बहुत कम हुई हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया और उसकी जांच कराने वाली एजेंसी के संबंध में भी जानकारी मांगी। मंत्री ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुल 31 विभागों में से अभी पांच विभाग प्रारंभ नहीं हुए हैं। 146 पदों के विरुद्ध 113 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतें वर्तमान भर्ती से संबंधित नहीं, बल्कि पूर्व अवधि की थीं। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट राज्यपाल को भेजी गई थी और शिकायतें निराधार पाए जाने पर उनका निराकरण कर दिया गया। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने भी प्रदेश में चार वर्षीय बीएड और डीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में सरकार की तैयारी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम को नई शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय बनाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।इस पर उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह सही है कि प्रदेश के कई महाविद्यालय आवश्यक मानकों के अनुरूप नहीं हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियम अलग हैं। राज्य में नई शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करने की प्रक्रिया तय करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो इस संबंध में आवश्यक सुझाव देगी।

छत्तीसगढ़ में 746 ग्राम असर्वेक्षित : टंकराम

रायपुर, 13 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत गांवों के बंदोबस्त का मामला उठा. राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कांग्रेस विधायक जनक ध्रुव के सवाल के जवाब में बताया कि प्रदेश में 746 ग्राम असर्वेक्षित है, जिसमें से 371 ग्राम में सर्वेक्षण प्रक्रियाधीन है. वहीं 375 ग्राम में सर्वेक्षण शुरू नहीं हुआ है.

सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक जनक ध्रुव ने राजस्व मंत्री से पूछा कि छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत किसी भी गाँव का बंदोबस्त हर कितने साल में होना होता है? राज्य में ऐसे कितने गाँव हैं, जिनका बंदोबस्त राज्य गठन सन् 2000 के बाद से अब तक नहीं हुआ है? जिलेवार जानकारी दें? ऐसे गाँवों का बंदोबस्त नहीं होने के लिए कौन जिम्मेदार है, और इन गाँवों के बंदोबस्त कब तक कर लिए जाएंगे? राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत किसी भी गाँव का सर्वेक्षण एवं भू-राजस्व का निर्धारण सामान्यत 30 साल में होना होता है. राज्य में कुल 20551 राजस्व ग्राम हैं जिसमें से 19805 ग्राम सर्वेक्षित है. 746 ग्राम असर्वेक्षित है.

कार की टक्कर से 11वीं के छात्र की मौत

बिलासपुर, 13 जुलाई। जिले में सड़क सुरक्षा पर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा करते हुए एक दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने

आया है, जिसमें एक तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार 11वीं के छात्र को जोरदार टक्कर मार दी। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र कई फीट हवा में उछलकर दूर जा गिरा और अनियंत्रित कार इसके बाद पास खड़ी एक मिनी बस से जा टकराई। इस दर्दनाक हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए छात्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद यह खुलासा हुआ है कि कार एक नाबालिग चला रहा था, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा की पत्नी का निधन

दुर्ग, 13 जुलाई। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय मोतीलाल वोरा की पत्नी शांति देवी वोरा का निधन हो गया। वह 91 वर्ष

की थीं और लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दुर्ग के शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। शांति देवी वोरा, दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा की माता थीं। उनके निधन की खबर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर है।

बाल संप्रेक्षण गृह में सुरक्षा गार्ड की हत्या, 4 नाबालिग फरार

बिलासपुर, 13जुलाई। शहर के नूतन चौक के पास स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में पदस्थ सुरक्षा गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर इसे हत्या का मामला माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार, सरकंडा थाना क्षेत्र स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में तखतपुर थाना क्षेत्र ग्राम अरईबंद में रहने वाले नरेंद्र कुमार खाण्डे (42 वर्ष), पिता फेंकूलाल खाण्डे, सहायक सह रात्रि चौकीदार के रूप में सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी कर रहे थे। रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।मृतक के परिजनों का आरोप है कि नरेंद्र कुमार खाण्डे के हाथ-पैर गमछे से बांध दिए गए थे। उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई, गला दबाया गया और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की

मांग की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना को चार नाबालिग बंदियों द्वारा अंजाम दिए जाने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि इनमें तीन नाबालिग रायगढ़ जिले और एक कोरबा जिले का रहने वाला है। सभी गंभीर अपराधों के मामलों में बिलासपुर बाल संप्रेक्षण गृह में निरुद्ध थे। आरोप है कि वारदात को अंजाम देने के बाद चारों बंदी बाल संप्रेक्षण गृह से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में व्यापक सर्च अभियान चला रही है।घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं।मृतक के परिजनों ने विभागीय अधिकारियों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि नरेंद्र कुमार खाण्डे लंबे समय से अपने तबादले के लिए आवेदन कर रहे थे, लेकिन उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते उनका तबादला कर दिया जाता तो शायद यह घटना टल सकती थी।

पिंक ई-रिक्शा में विधानसभा पहुंचे मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर,13 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है. पहले दिन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और विधायक ललित चंद्राकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पिंक ई-रिक्शा में विधानसभा पहुंचे. विधानसभा रवाना होने से पहले पत्रकारों से चर्चा में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि पिंक ई-रिक्शा के जरिए महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं. यह उनके लिए रोजगार का बेहतर माध्यम साबित हो रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है. इसके साथ उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक पिंक ई-

रिक्शा का उपयोग करें, जिससे पिंक दीदियों को रोजगार के अवसर मिले और वे आत्मनिर्भर बन सकें.

अमेरिका ने फिर बरसाए बम

वाशिंगटन, 13 जुलाई। सोमवार की सुबह अमेरिका ने ईरान पर नए सिरे से हमला शुरू कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस ऑपरेशन का मकसद तेहरान की उस क्षमता को और कम करना है, जिससे वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाता है। ये हमले तब किए गए जब ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक कंटेनर जहाज पर हमला किया, जिससे उसमें आग लग गई और चालक दल का एक सदस्य लापता हो गया। X पर एक पोस्ट में, CENTCOM ने कहा कि ये हमले कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर ईरानी सेना को जवाबदेह ठहराने के लिए किए गए। CENTCOM ने कहा, "आज शाम 5 बजे ET (पूर्वी समय) पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए ताकि होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को और कम किया जा सके। कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेना को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।" वहीं ईरान के विदेश मंत्रालय ने हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की है।

जेल से बाहर आते ही हिस्ट्रीशीटर की हत्या

दुर्ग, 13 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

जेल से छूटते ही बदला लेने गए बदमाश लेखराम कोठारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। 3 से 4 लोगों ने लेखराम पर हमला किया जिस के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, हमले में कई लोग घायल हुए हैं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के कुंद्रापारा इलाके का है जानकारी के मुताबिक, लेखराम कोठारी और चेलक पक्ष के लोगों के बीच पिछले दो दिनों से विवाद चल रहा था दोनों पक्षों के बीच पहले भी मारपीट हुई थी मामला पद्मनाभपुर थाने तक पहुंचा था पुलिस ने विवाद के बाद लेखराम के खिलाफ प्रतिबंधक धाराओं के तहत कार्रवाई की और उसे जेल भेज दिया था जेल से छूटने के बाद बदला लेने पहुंचा था रविवार को जेल से छूटने के बाद आदतन बदमाश लेखराम अपने साथियों के साथ चेलक

पक्ष के लोगों से बदला लेने पहुंच गया। इसी दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। पहले उनके बीच विवाद हुआ, फिर मारपीट शुरू हो गई देखते ही देखते विवाद बढ़ गया आरोप है कि दूसरे पक्ष के 7 से 8 लोगों ने लेखराम को घेर लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी मारपीट में लेखराम गंभीर रूप से घायल हो गया हमले में दोनों पक्ष के कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया गंभीर चोट लगने के कारण लेखराम की मौत हो गई घटना के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात हत्या की सूचना मिलते ही पद्मनाभपुर थाने पुलिस मौके पर पहुंची इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटा रही है पुलिस दोनों पक्षों के बीच विवाद की असली वजह का पता लगा रही है इस के साथ ही हत्या और मारपीट में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस तकनीकी जांच और मुखबिरों की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है अभी तक दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है देर रात मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी देर रात पुलिस के आला अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। विवाद की स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी वहीं, घटना के बाद कुंद्रापारा और आसपास के इलाके में पुलिस की नजर बनी हुई है

विंबल्डन : 2026, महिला वर्ग में विश्वास भरा प्रदर्शन करके नोस्कोवा बनी विजेता

निश्चित हार को जीत में बदलना ही है आश्चर्यकर्म होना

जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर.

दुनिया की सबसे चर्चित एकल, युगल, मिश्रित इवेंट वाला खेल टेनिस है। टेनिस में चार ग्रैंड स्लेम चैंपियनशिप महत्वपूर्ण है। प्रत्येक वर्ष जनवरी/फरवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन, मई/ जून में फ्रेंच ओपन, जून/ जुलाई में विंबल्डन और सितम्बर/ अक्टूबर में अमरीकी ओपन चैंपियनशिप क्रमशः मेलबोर्न, पेरिस, लंदन और न्यूयार्क में आयोजित किए जाते हैं। इनमें से कम से से कम एक स्पर्धा में चैंपियन बनने की चाहत, प्रत्येक महिला या पुरुष टेनिस खिलाड़ी में होती है। 2026 के विम्बल्डन टूर्नामेंट में महिला एकल का मुकाबला चेक गणराज्य की दो उभरती हुई प्रतिभाओं लिंडा नोस्कोवा और केरोलीना मुकोवा के बीच हुई। इसमें महिला वर्ग में विश्व की 9वीं वरीयता प्राप्त 21 वर्षीया नास्कोवा ने 10 वीं वरीयता प्राप्त मुकोवा को परास्त करके पहली बार ग्रैंड स्लेम स्पर्धा की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। और 2011 की विजेता पेट्रा क्वीटोवा के बाद सबसे कम उम्र की विंबलडन खिताब जीतने वाली महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई। दोनों खिलाड़ियों में इस टाइटिल को जीतने के लिए गजब का जोश था। एक बात स्पष्ट रूप से देखने को मिली कि दोनों खिलाड़ियों ने टाइटिल पर कब्जा जमाने के लिए जी जान की बाजी लगा दी।

मजेदार बात तो यह है कि दोनों एक देश के नागरिक होने के साथ साथ दोस्त भी हैं। एक कहावत वर्षों से चली आ रही है खेल के मैदान में जब मैच खेलने के लिए उतरा जाता है तो ना तो कोई अपना /दुश्मन होता है ना ही पराया/ दोस्त होता है .इस कहावत को दोनों खिलाड़ियों ने चरितार्थ किया और आज की उभरती हुई खेल प्रतिभाओं के समक्ष दोनों दोस्तों ने खेल भावना का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। वैसे भी चेक गणराज्य का उदय 1 जनवरी 1993 को हुआ जबकि चेकोस्लोवाकिया देश के दो भाग हुए। दूसरे देश को आज स्लोवाकिया के नाम से जाना जाता है। प्रश्न तो आखिर यही उठता है कि कौन है जो नहीं चाहता अपने देश का नाम रौशन करना. आज तीन सेट तक चले मुकाबले में टेनिस के हर विधा को देखने को मिला। जैसे फोरहैंड शॉट, बैक हैंड रिटर्न, ड्रॉप, वाली , डाउन द लाइन शॉट , क्रॉसकोर्ट आदि .पहले ग्रेंड स्लेम की तलाश में दोनों खिलाड़ियों के सर्विस करने के अंदाज का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तीन सेट के 29 गेम में चैंपियन नोस्कोवा अपने सर्विस में 33 एस लगाये जबकि उपविजेता मुकोावा ने 29 एस लगाये। टेनिस में एक खिलाड़ी को एक प्वाइंट पर दो सर्विस करने का अवसर मिलता है। टेनिस के मैच में सर्विस का बहुत महत्व होता है। अच्छी सर्विस विपक्षी पर दबाव बनाती है। इस मैच में दोनों खिलाड़ियों ने साबित किया कि चेक गणराजय में टेनिस प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। 2-6, 7-5, 6-3 से तीन सेट तक चले मुकाबले में जब मुकोवा 6-2 और 5-2 से आगे थी तब सेंटर कोर्ट में 15000 दर्शकों के साथ इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से मैच देख रहे लाखों लोगों में से शायद किसी ने भी 9 नहीं सोचा होगा कि नोस्कोवा लगातार 5 गेम याने पांच मैच प्वाइंट बचाकर विंबल्डन 2026 की महिला वर्ग की इस प्रतिष्ठित टाइटिल को हथिया लेंगी। ऐसे समय में हमारे देश में कहते हैं जब मदद मांगनी हो तो ईश्वर से मांगो. संभवतः यही किया होगा नोस्कोवा ने और आखिरकार उन्होंने अपनी साहस, शरीरिक फिटनेस, मानसिक मजबूती के कारण हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया। इसके साथ ही मात्र 1 करोड़ 5 लाख आबादी वाले देश चेक गणराज्य की नोस्कोवा अब पांचवी महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई है जिन्होंने 1993 में इस देश को अस्तित्व में आने के पश्चात विंबल्डन महिला का एकल खिताब जीता है। इसके पहले टेनिस की महान महिला खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा,क्वीतोवा, मार्केटा वंडरोवसोवा और बारबोरा क्रेसीकोवा यह कमाल कर चुकी हैं। 1877 से आरंभ विंबल्डन के इतिहास में आज का यह मुकाबला बेदम कठिन, उतार-चढ़ाव, अप्रत्याशित परिणाम के लिए हमेशा याद किया जाएगा। भारतीय टेनिस संघ को ऐसे मैच की वीडियो रिकार्डिंग को भारत में उभरते हुए टेनिस खिलाड़ियों को उन्हें दिए जा रहे प्रशिक्षण के दौरान अवश्य ही दिखाये जाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

सांसद विजय बघेल ने ग्राम औरी में किया अमृत सरोवर का लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन,13 जुलाई। सांसद विजय बघेल के प्रयासों से ग्राम औरी में लगभग साढ़े तीन एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित अमृत सरोवर का लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। लगभग 3 करोड़ लीटर जल संग्रहण क्षमता वाला यह अमृत सरोवर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और आज ग्राम औरी की नई पहचान बन चुका है। सरोवर की भव्य संरचना तथा तट पर स्थित दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर आस्था, संस्कृति और आधुनिक विकास का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल थे। इस अवसर पर संजय बघेल, कीर्ति नायक, कमलेश वर्मा, नीलम चंद्राकर, कस्तूरी बंजारे, पवन शर्मा, तृप्ति चंद्राकर, भागचंद जैन, राजा पाठक, राजेश चंद्राकर, कमलेश चंद्राकर, दीपक चंद्राकर, संदीप चंद्राकर तथा ग्राम सरपंच कलेन्द्री मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। लोकार्पण के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ वरुण पूजा महायज्ञ संपन्न हुआ। सांसद विजय बघेल अपनी धर्मपत्नी रजनी बघेल, पुत्र सौरभ बघेल, पुत्रवधू पल्लवी बघेल, पुत्री प्रतीक्षा बघेल एवं दामाद अनंत उपाध्याय के साथ यज्ञ में शामिल हुए तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा और जनकल्याण की कामना की। अपने उद्बोधन में सांसद विजय बघेल ने कहा कि ग्रामवासियों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत सरोवर योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण के साथ गांवों को जल-संपन्न बनाना है। उन्होंने कहा कि हम सभी एक ऐतिहासिक क्षण के साक्षी हैं। पहले गांवों के तालाब ही पेयजल और जीवन का प्रमुख आधार होते थे। समय के साथ परिस्थितियां बदलीं, लेकिन जल संरक्षण का महत्व कभी कम नहीं हुआ। यह अमृत सरोवर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा का आधार बनेगा। सांसद विजय बघेल ने बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता, संचेती फाउंडेशन एवं इम्पलीमेंटिंग एजेंसी के सहयोग से यह कार्य मात्र एक माह के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि यदि यही कार्य पूरी तरह शासकीय प्रक्रिया से कराया जाता तो इसकी लागत एक करोड़ रुपये से अधिक आती। उन्होंने बताया कि भारतमाला परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं संस्थाओं को अपने निवास पर आमंत्रित कर इस कार्य की रूपरेखा बनाई गई। संचेती फाउंडेशन एवं एस मेस लिमिटेड के सहयोग से इस कार्य में लिलेश देशमुख, राघवेन्द्र, राजेश सिंह, भूपेंद्र यादव, अजय पाणीकर तथा देवेंद्र यादव सहित अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्राम सरपंच कलेन्द्री मानिकपुरी ने सभी अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं एवं ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रकृति संरक्षण के लिए मुक्तिधाम परिसर में पीपल, बरगद, नीम एवं आम के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। सांसद विजय बघेल एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में राजेश वर्मा, पन्ना चंद्राकर, सचिन चंद्राकर, राजू साहू, चेतन चंद्राकर, कमलेश साहू, चंचल यादव, अजीत चंद्राकर, कुलदीप बैसवाडे, डॉ. आलोक पाल, राजू सोनकर, शुभम शर्मा, अरविंद पाल, गोपाल कृष्ण वर्मा, राजकुमार चंद्राकर, रामकुमार धनकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

आईजी ने इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का विस्तृत अवलोकन किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 जुलाई। पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम की अध्यक्षता में दुर्ग रेंज के अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों के राजपत्रित अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति, अपराध नियंत्रण की रणनीति, विवेचना की गुणवत्ता, तकनीक आधारित पुलिसिंग तथा आगामी कार्ययोजना की समग्र समीक्षा करना रहा। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानसिक कल्याण, तनाव स्वास्थ्य, पारिवारिक प्रबंधन, नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन तथा टीमवर्क को भी प्रभावी पुलिसिंग का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए इस दिशा में निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति विनम्र, संवेदनशील, पारदर्शी एवं उत्तरदायी व्यवहार पुलिस की सबसे बड़ी पहचान है तथा प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को इसी भावना के साथ कार्य करना चाहिए। समीक्षा बैठक के उपरांत पुलिस महानिदेशक ने पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में स्थापित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें शहर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों, ऑटोमेटेड ट्रैफिक मॉनिटरिंग, डिजिटल प्रवर्तन प्रणाली, ई-चालान व्यवस्था, यातायात विश्लेषण एवं नियंत्रण तंत्र की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाए, यातायात नियमों का प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित किया जाए तथा तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग के माध्यम से आम नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अपराध की विवेचना वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से की जाए, गंभीर अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। उन्होंने रोजनामचा का नियमित अध्ययन, अपराध प्रवृत्तियों का विश्लेषण, संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी तथा कानून-व्यवस्था की निरंतर समीक्षा पर विशेष बल दिया दुर्ग एसएसपी ने वर्षभर की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण दिया ।

एक नजर

2 लाख के गांजा सहित 3 गिरफ्तार

भिलाई, 13 जुलाई (तछसं.)। दो थानों और एसीसीयू की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो लाख रुपए का गांजा जब्त कर महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है मामले में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की है स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो युवक डी-मार्ट के पीछे दुर्ग रोड स्मृति नगर में अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसीसीयू एवं चौकी स्मृति नगर चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल योजनाबद्ध घेराबंदी की गई। मौके पर संदेहास्पद दो युवकों को रोककर वैधानिक प्रक्रिया के तहत पूछताछ एवं तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक थैले में रखे 3 किलो 140 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, एक बिना नंबर की स्कूटी तथा दो मोबाइल बरामद हुए पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान पुष्कर जंघेल निवासी वार्ड क्रमांक 58, उरला एवं धीरज कुमार साहू उर्फ भविष्य साहू (18 साल) निवासी ग्रीन चौक के पास बताया। पूछताछ में दोनों आरोपी स्कूटी के माध्यम से अवैध मादक पदार्थ गांजा अपने कब्जे में रखकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहक तलाशते थे तथा मौके पर ही गांजा की बिक्री करने की तैयारी में रहते थे। दूसरे मामले में थाना अमलेश्वर एवं एसीसीयू दुर्ग की संयुक्त टीम ने एक महिला के मकान में दबिश दी। तलाशी लेने पर एक सफेद प्लास्टिक थैले में रखा 1.023 किलोग्राम हरी पत्तेदार एवं बीजयुक्त गांजा तथा बिक्री हेतु तैयार 10 पैकेट मादक पदार्थ एवं बिक्री से प्राप्त 2,900 नगद बरामद हुए। आरोपी महिला संगीता सोनवानी (45 साल) निवासी ग्राम कापसी थाना अमलेश्वर अपने निवास स्थान पर मादक पदार्थ गांजा को छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक कर अवैध रूप से बिक्री कर आर्थिक लाभअर्जित कर रही थी।

पुलिस ने दो बच्चों को तलाश कर परिजनों को सौंपा

भिलाई, 13 जुलाई (तछसं.)। भिलाई सुपेला पुलिस ने बताया कि थाना सुपेला क्षेत्र के दो नाबालिग बच्चे बिना किसी को बताए घर से चले गए थे तथा देर रात तक घर वापस नहीं लौटे सूचना प्राप्त होने पर थाना सुपेला पुलिस गुमशुदगी संबंधी आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चों की तलाश प्रारंभ की तलाश के दौरान आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया। इसके आधार पर दोनों बच्चों के डोंगरगढ़ क्षेत्र में होने की जानकारी मिली सूचना पर थाना सुपेला थाने पुलिस एवं एसीसीयू दुर्ग की संयुक्त टीम डोंगरगढ़ पहुंचकर दोनों नाबालिग बच्चों को सकुशल बरामद किया गया आवश्यक पूछताछ एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात दोनों बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया ।

गांजा बेचने वाली महिला गिरफ्तार

भिलाई, 13 जुलाई (तछसं.)। दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत रविवार को मुखबिर से सूचना पर कापसी निवासी संगीता सोनवानी को उसके घर से गिरफ्तार किया उसके पास से अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा को छोटी-छोटी पुड़िया जब्त की गई थाना अमलेश्वर एवं एसीसीयू दुर्ग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी संगीता के पास से एक सफेद प्लास्टिक थैले में रखा 1.023 किलोग्राम हरी पत्तेदार एवं बीजयुक्त गांजा तथा बिक्री हेतु तैयार 10 पैकेट मादक पदार्थ एवं बिक्री से 2,900 रुपए नगद जब्त किया गया जब्त सामग्री का कुल कीमत 52,900 आंकी गई है आरोपी के विरुद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया बहरहाल मामले में पुलिस की जांच जारी है ।

सूने घर में चोरी

भिलाई, 13 जुलाई (तछसं.)। भिलाई जामुल पुलिस ने बताया कि श्रीमती त्रिवेणी साहू ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि उसके पति केवल भान सिंह बीमार होने से अस्पताल जुनवानी में भर्ती हैं,इस कारण प्रार्थिया पति की देखभाल के लिए अस्पताल में रहती है प्रार्थिया का बेटा घर पर रहता है वह11 जुलाई की सुबह घर में ताला बंद कर ड्यूटी पर गया था ।जो शाम घर आया तो देखा घर की छत में लगे सीमेंट का शीट टूटा हुआ है और घर में चोरी हो गई है। प्रार्थिया ने चोरी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है।

आवासीय क्षेत्रों में डेंगू प्रतिरक्षण अभियान के लिए दिया प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 जुलाई। बीएसपी द्वारा डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से डेंगू प्रतिरक्षण अभियान प्रशिक्षण एवं सेवा योजना निर्धारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.सी. बंजारे के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पंजीकृत 120 अभ्यर्थियों में से 81 अभ्यर्थी प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जन स्वास्थ्य विभाग के सहायक महाप्रबंधक रमेश गुप्ता तथा उप प्रबंधक श्री डी.पी.एस. ब्रार द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने, एंटी-लार्वा रसायनों के छिड़काव, फॉगिंग तथा घर-घर जाकर नागरिकों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करने संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी 81 प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की सेवा योजना तैयार कर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में दायित्व सौंपे गए हैं। इसके अनुसार भिलाई टाउनशिप के सभी सेक्टरों एवं आवासीय क्षेत्रों में सघन डेंगू प्रतिरक्षण अभियान प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री रमेश गुप्ता एवं उप प्रबंधक श्री डी.पी.एस. ब्रार ने कहा कि जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित टीम सोमवार से पूरे भिलाई टाउनशिप में अभियान चलाकर डेंगू नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित रखना तथा डेंगू के प्रसार को प्रभावी रूप से रोकना है। जन स्वास्थ्य विभाग टाउनशिप के सभी नागरिकों से अपील करता है कि सोमवार से प्रारंभ होने वाले इस सघन अभियान के दौरान सर्वेक्षण एवं फॉगिंग कार्य के लिए आने वाली स्वास्थ्य टीमों का पूर्ण सहयोग करें तथा अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा न होने दें, जिससे मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

डीजीपी की उपस्थिति में मदनवाड़ा हमले में शहीद जवान को दी गई श्रद्धांजलि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 जुलाई। राजनांदगाव जिले के मदनवाड़ा में शहीद हुए रिसली भिलाई के जवान रजनीकांत सिंह की 17वीं पुण्यतिथि के मौके पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा रखी गई। रिसाली स्थित शहीद रजनीकांत सिंह के स्मारक स्थल पर प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के डीजीपी अरुण देव गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। डीजीपी गौतम की उपस्थिति में शहीद जवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक शाण्डिल्य, एसएसपी विजय अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन राठौर, नेवई थाना प्रभारी अनिल साहू सहित शहीद जवान की पत्नी पिंकी सिंह व पूरा परिवार उपस्थित रहा। इस दौरान प्रेम संगवारी बहुउद्देशीय सेवा समिति के संयोजक विष्णु पाठक ने डीजीपी अरुण देव गौतम को आज ही के दिन 2009 में घटित उस हृदय विदारक घटना का स्मरण कराया। डीजीपी गौतम ने ने उस दिन को याद किया और शहीद जवान की पत्नी पिंकी सिंह से मिलकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने किसी भी तरह की समस्या होने पर पुलिस परिवार द्वारा मदद का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में प्रेम संगवारी बहुद्धेशीय सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश पाण्डेय, महासचिव रंग बहादुद सिंह सहित समिति के अन्य पदाधिकारी व सदस्य तथा क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रधानपाठक युवराज साहू ने अपने वेतन से लगाया पांगरी स्कूल में तड़ितचालक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,13 जुलाई। विकास खण्ड गुण्डरदेही जिला बालोद (छ.ग.)के अंतर्गत शाला शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पांगरी के प्रधान पाठक श्री युवराज सिंह साहू ने अपने खुद के वेतन के रूपए से खरीदकर प्राकृतिक आपदा नियंत्रण हेतु स्कूली बच्चों,शिक्षक - शिक्षिकाओं, अंशकालीन स्वीपर, रसोईयों, शाला भवनों, अन्य जीव जन्तुओं , पेड़, पौधों एवं पर्यावरण आदि की आवश्यक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वर्षाकाल के आकाशीय बिजली गिरने पर आकस्मिक दुर्घटना से बचने के लिए तड़ित चालक यंत्र लगाकर महत्वपूर्ण एवं एक अनोखा कार्य सुनिश्चित करने जैसे अनुकर्णीय भूमिका निभाई है।उक्त कार्य के लिए ग्राम पंचायत सरपंच श्री प्रमोद कुमार पटेल,उप सरपंच श्री भीषम लखेरा,पंचगण, शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों - अध्यक्ष श्री अवधेश यादव, उपाध्यक्ष श्री चुरामणि नागेश सदस्यगण, पालकों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों नेअति विशिष्ट कार्य के लिए सराहना करते हुए हृदय से धन्यवाद दिये।

नर्सिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 जुलाई। शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग और विद्यांता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सिमुलेशन आधारित नर्सिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का शनिवार को सीए भवन, सिविक सेंटर में समापन हुआ। कार्यशाला में नर्सिंग फैकल्टी और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आधुनिक प्रशिक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने नर्सिंग पेशे को सेवा और विश्वास का प्रतीक बताते हुए सिमुलेशन तकनीक को नर्सिंग शिक्षा के लिए उपयोगी और प्रभावी बताया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ सानिया का सम्मान किया गया। अंत में डॉ. वंदना चौहान ने आभार प्रदर्शन किया।

स्वास्थ्य विभाग ने दी परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी

भिलाई, 13 जुलाई। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 के अंतर्गत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने निबंध, संगोष्ठी और पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या और परिवार नियोजन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू ने कहा कि छोटा परिवार, सुखी परिवार से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर सुनिश्चित किए जा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों की जानकारी दी तथा अंत में जनजागरूकता रैली निकाली। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

मरहूम शायरों की याद में सजी साहित्यिक महफिल

भिलाई, 13 जुलाई। आईना-ए-अदब उर्दू-हिंदी संगम तंजीम भिलाई-दुर्ग द्वारा इंडियन कॉफी हाउस, सुपेला में एक शाम मरहूम शायरों के नाम नशिस्त एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 से अधिक हिंदी-उर्दू रचनाकारों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर साहित्यिक वातावरण को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर डॉ. जफर अहमद सिद्दीकी, इनामुल्लाह शाह, सलीम अहमद जख्मी बालोदवी, पंडित गया प्रसाद खुदी, हाजी बदरुल कुरैशी 'बद्र', बाबा शेख निजाम दुर्गवी, सुल्तान जावेद, नदीम कानपुरी, पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, डॉ. राधेश्याम सिंदूरिया, जय नारायण सोनी 'निर्झर' और ओमप्रकाश शर्मा सहित 50 से अधिक दिवंगत शायरों एवं साहित्यकारों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। अतिथियों ने हिंदी-उर्दू साहित्य के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

भोरमदेव शक्कर कारखाना में 4691 किसानों को मिला अंशधारी सदस्यता का अधिकार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 12 जुलाई। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना से जुड़े 4 हजार 691 गन्ना उत्पादक किसानों के लिए रविवार ऐतिहासिक दिन बन गया। वर्षों से अंशधारी सदस्य बनने की प्रतीक्षा कर रहे इन किसानों को नवीन अंशधारी सदस्य बनाते हुए शेयर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कवर्धा के पीजी कॉलेज डोम में आयोजित कृषक संगोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र सौंपते हुए कहा कि यह पहल किसानों को सहकारिता की मजबूत भागीदारी से जोड़ते हुए उनकी आय बढ़ाने और क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना में गन्ना बेचने वाले ऐसे 4 हजार 691 किसानों को आज शेयर प्रमाण पत्र दिए गए, जो अब तक अंशधारी सदस्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन किसानों ने बिना शेयरधारक बने भी फैक्ट्री को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी योगदान को सम्मान देते हुए उन्हें आज कारखाना का अंशधारी सदस्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले पेराई सत्र में फैक्ट्री में 2 लाख 55 हजार 818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई हुई थी। वर्तमान में फैक्ट्री के लगभग 23 हजार शेयरधारक हैं। वहीं, 4,691 गैर-अंशधारी किसानों ने भी गन्ना विक्रय किया था। इन्हीं किसानों को अब शेयर प्रमाण पत्र देकर कारखाना की सदस्यता प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैक्ट्री किसानों की अपनी फैक्ट्री है और इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी किसानों की है। उन्होंने कहा कि यदि किसान संकल्प लेकर इस वर्ष साढ़े चार लाख मीट्रिक टन गन्ने की आपूर्ति करेंगे, तो फैक्ट्री और मजबूत होगी। इससे किसानों को एफआरपी का समय पर भुगतान, बेहतर रिकवरी और भविष्य में अधिक लाभांश मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। उन्होंने गन्ना बोनस बढ़ाने के लिए भी सकारात्मक प्रयास किए जाने की बात कही। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक गन्ना उत्पादन करने, नए किसानों को अनुबंध के लिए प्रेरित करने और फैक्ट्री को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नवीन अंशधारी सदस्य बनने से किसानों को अब भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना में नियमित रूप से गन्ना विक्रय करने के साथ-साथ अंशधारी सदस्यों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं का भी लाभ मिल सकेगा। वहीं, कारखाना को भी गन्ना पेराई के लक्ष्य की पूर्ति के लिए पर्याप्त गन्ना उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी, जिससे भविष्य में उत्पादन क्षमता और संचालन को और मजबूती मिलेगी।प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती के तीन प्रमुख स्वरूप रासायनिक, जैविक और प्राकृतिक खेती हैं। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता नहीं होती और छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में इसके सफल प्रयोग हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान किया ताकि उनके उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए आवश्यक एनपीओपी प्रमाणन की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17, 18 और 19 जुलाई को कवर्धा विधायक कार्यालय में विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि कबीरधाम के कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों द्वारा लंबे समय से नए अंशधारी सदस्य बनाए जाने की मांग की जा रही थी। इस मांग को ध्यान में रखते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कारखाना प्रबंधन को योजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिला प्रशासन, कारखाना प्रबंधन, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों तथा जिले के दोनों किसान संघों के प्रतिनिधियों ने मिलकर कार्ययोजना तैयार की। इसी योजना के तहत पेराई सत्र 2025-26 में गैर-अंशधारी किसानों से भी गन्ने की खरीदी की गई और उन्हें नवीन अंशधारी सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, पूर्व विधायक श्री सियाराम साहू, जनपत पंचायत उपाध्यक्ष कवर्धा श्री गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष पटेल, भुवनेश्वर चंद्राकर, श्री राम किंकर वर्मा, मनीराम साहू, श्री राम कुमार मेरावी, लोकचंद साहू, कारखाना के प्रबंध संचालक श्री जी.एस. शर्मा, महाप्रबंधक श्री अंकित मरकाम, किसान संघों के प्रतिनिधिगण, कारखाना के अंशधारी सदस्य, कृषकगण अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 20.01 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 13 जुलाई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज आदर्श कृषि उपज मंडी प्रांगण राजनांदगांव में 20 करोड़ 1 लाख 67 हजार रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर कृषि विकास एवं किसान कल्याण, आदिम जाति विकास, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम तथा सांसद श्री संतोष पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में आदर्श कृषि उपज मंडी समिति राजनांदगांव की मंडी निधि से 2 करोड़ 39 लाख 17 हजार रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। वहीं राजनांदगांव विकासखंड की ग्राम पंचायतों में विभिन्न मदों से स्वीकृत 16 करोड़ 32 लाख 98 हजार रूपए की लागत के 181 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 9 ग्राम पंचायतों में 1 करोड़ 29 लाख 52 हजार रूपए

की लागत से निर्मित 18 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 13 क्लस्टर की 51 ग्राम पंचायतों के सरपंचों से संवाद कर विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम में धान की जगह अन्य फसल लेने वाले किसानों को अरहर और सोयाबीन बीज वितरण किया गया। अंत्योदय स्वरोजगार योजना अंतर्गत मिनीमाता महिला स्वसहायता समूह पेण्ड्री को व्यवसाय संचालित करने के लिए 1 लाख 10 हजार रूपए का चेक वितरण किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मंडी निधि का उपयोग ग्रामीण अधोसंरचना के विकास में अधिक से अधिक किया जाना चाहिए, ताकि गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो और ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आदर्श कृषि उपज मंडी राजनांदगांव प्रदेश की प्रमुख मंडियों में से एक है, जहां किसानों और व्यापारियों की सुविधा के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। यहां मॉल, सिनेमा, विश्राम गृह, बैंक, पोस्ट ऑफिस, धर्मकांटा, अनाज एवं सब्जी मंडी जैसी अनेक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव के किसान फसल विविधीकरण की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। धान के साथ-साथ मक्का एवं सोयाबीन जैसी कम पानी वाली फसलों की खेती अपनाने से किसानों की आय बढ़ेगी और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत भवन, सीसी रोड, सार्वजनिक भवन, खेल मैदान, बाउंड्री वॉल सहित अन्य निर्माण कार्य ग्रामीणों की सुविधा के लिए किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य टिकाऊ एवं मानक अनुरूप होने चाहिए ताकि नागरिकों को लंबे समय तक उनका लाभ मिल सके।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि को टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 20 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन जिले के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान खेती-किसानी और समृद्ध लोक संस्कृति से है, इसलिए इसे संरक्षित और अधिक समृद्ध बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने कहा। धान के साथ-साथ कम पानी और कम लागत वाली फसलों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। अत्यधिक धान उत्पादन के कारण भू-जल स्तर में गिरावट, जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता और पर्यावरण प्रभावित हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है।

एक नजर

महापौर ने मोहारा में निर्माणाधीन आवासों का किया निरीक्षण

राजनांदगांव 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना की घटक एचपी के तहत वार्ड क्रमांक 48 मोहरा में 232 आवास का निर्माण किया जा रहा है, इन निर्माणधीन आवास में 90 परिवारों को आवास का आवंटन किया जा चुका है इसी संदर्भ में आज महापौर श्री मधुसूदन यादव ने महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू व श्री आलोक श्रोति तथा योजना के तकनीकि अधिकारियो के साथ निर्माण स्थल का दौरा किया। महापौर के द्वारा निर्माण स्थल दौरे के दौरान बिल्डर को सत्य हिदायत दी गई कि जो आवास का आबंटन हो चुका है उसें पहले पूरी तरीके से तैयार करें फिर उसके बाद नए काम को आगे बढ़ाएं। महापौर श्री यादव ने साथी विद्युत विभाग के द्वारा वहा लगाये जा रहे ट्रांसफार्मर के कार्य में गति लाने के लिए उन्होंने कार्यपालन अभियंता एवं योजना के नोडल अधिकारी श्री दीपक खाण्डे से कहां कि संबंधित विभाग से इस संदर्भ में चर्चा कर जल्दी इस कार्य को पूर्ण करावे, ताकि विद्युत व्यवस्था होते ही यहां परिवारों को रहने के लिए घर आवंटित किए जाएंगे। साथ ही साथ उन्होंनें निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए एवं सही तरीके से काम करने के लिए बिल्डर से एक-एक कार्य की सिलसिले बार जानकारी ली और कार्य मे तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आवास परिसर में उद्यान निर्माण कर वृक्षारोपण की तैयारी करने के संबंध में भी महापौर ने अपने सुझाव दिए, ताकि यहा निवासरत परिवारो के लिए एक स्वच्छ वातावरण निर्मित हो सके। उन्होंने जल निकासी के लिए नाली निर्माण करने के निर्देश देते हुए कहा कि आवासो का जल निकासी के अलावा बारिश के पानी की समुचित निकासी को ध्यान में रखकर नाली निर्माण किया जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक नोडल अधिकारी व प्र.सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू सहित योजना के सीएलटीसी उपस्थित थे।

राम दरबार चौक बना हादसों का हॉट स्पॉट, सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग

राजनांदगांव 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण राम दरबार चौक पर लगातार बढ़ते यातायात दबाव और तेज रफ्तार वाहनों के चलते दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महासचिव एवं अविभाजित

राजनांदगांव जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष पदम सिंह कोठारी ने चौक की यातायात व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग करते हुए यहां गति अवरोधक (ब्रेकर) बनाने तथा दो ट्रैफिक पुलिस की तैनाती करने की आवश्यकता जताई है। श्री कोठारी ने कहा कि जी.ई. रोड स्थित राम दरबार चौक शहर का अत्यंत व्यस्त चौराहा है जहां से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद यहां पर्याप्त यातायात नियंत्रण की व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक तेज गति से गुजरते हैं जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि इस चौक पर पहले मौजूद गति अवरोधकों को हटाए जाने के बाद वाहन बेलगाम रफ्तार से दौड़ रहे हैं। यदि समय रहते यहां दोबारा मजबूत ब्रेकर नहीं बनाए गए और ट्रैफिक व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो भविष्य में किसी भी समय बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। श्री कोठारी ने बताया कि राम दरबार चौक से एक मार्ग सनसिटी, लखोली और कन्हारपुरी की ओर जाता है दूसरा मार्ग एफसीआई गोदाम, प्रेस क्लब और आयकर कार्यालय की ओर, तीसरा मार्ग दुर्ग की दिशा में तथा चौथा मार्ग राजनांदगांव शहर की ओर जाता है। चारों दिशाओं में लगातार वाहनों की आवाजाही होने के कारण यह चौराहा अत्यधिक संवेदनशील बन गया है। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण चौराहे पर स्थायी रूप से कम से कम दो ट्रैफिक पुलिस जवानों की तैनाती की जानी चाहिए।ताकि यातायात सुचारू रहे और दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। साथ ही चौक पर आवश्यक संकेतक, रिफ्लेक्टर और सड़क सुरक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री कोठारी ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि जनहित और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राम दरबार चौक पर शीघ्र गति अवरोधक का निर्माण कराया जाए तथा दो ट्रैफिक पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़ी दुर्घटना की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

ग्राम लाहोद में दो मोटरसाइकिलों के बीच टक्कर,तीन घायल

बलौदाबाजार 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। थाना लवन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम लाहोद में दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना लवन की डायल 112 (बाज-01) टीम ने तत्परता और सजगता दिखाते हुए घायलों को तत्काल एम्बुलेंस व पुलिस वाहन की मदद से जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार रवाना किया।कंट्रोल रूम से सुबह 08:34 बजे इवेंट प्राप्त होते ही डायल 112 बाज-01 में तैनात आरक्षक प्रीतम सिंह आनंद और वाहन चालक प्रशांत भारद्वाज बिना एक पल का समय गंवाए तत्काल घटनास्थल ग्राम लाहोद के लिए रवाना हुए। ?मौके पर पहुंचने पर देखा कि दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई हुई थीं और सड़क पर तीन लोग गंभीर हालत में लहूलुहान पड़े थे। पुलिस टीम ने तत्काल कॉलर और आसपास के लोगों की मदद से घायलों को संभाला। पूछताछ में घायलों की पहचान रामलाल साहू, राजाराम साहू और गोपी साहू के रूप में हुई, जो सभी ग्राम निवारी मल्हार के रहने वाले हैं। तीनों युवकों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आने और अत्यधिक खून बहने के कारण स्थिति बेहद नाजुक थी।

सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों के सम्मानजनक पुनर्वास के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कर रही कार्य : रमन सिंह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 13 जुलाई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज अपने राजनांदगांव स्थित निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पित एवं नक्सल पीड़ित पुनर्वास नीति के तहत नक्सल पीड़ित परिवारों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को आर्थिक सहायता के लिए चेक वितरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों तथा मुख्यधारा में लौटे आत्मसमर्पित नक्सलियों के सम्मानजनक पुनर्वास के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शासन का उद्देश्य नक्सल प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता, रोजगार तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव जिले में आत्मसमर्पित एवं नक्सल पीड़ित पुनर्वास नीति के अंतर्गत 15 नक्सल पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रूपए की दर से कुल 60 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। शेष 4 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी स्वीकृत किया गया है। जिले के 16 आत्मसमर्पित नक्सलियों में से 10 को शासकीय नौकरी मिल चुकी है तथा पात्र हितग्राहियों को इनाम एवं अन्य सहायता

राशि का भी भुगतान किया गया है। उन्होंने हितग्राहियों से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर बेहतर जीवनयापन करने कहा। उन्होंने कहा कि पुनर्वास नीति के तहत राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राज्य में संचालित यात्री बसों के किराए में 50 प्रतिशत की छूट सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यदि किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो जिला प्रशासन द्वारा पूरी संवेदनशीलता के साथ सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने बताया कि राजनांदगांव जिले में नक्सल पीड़ित परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए शासन की नीति के अनुरूप निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 19 नक्सल पीड़ित परिवार चिन्हित हैं। इनमें से 16 नक्सल घटना में मृत व्यक्तियों के पात्र परिजनों को योग्यता के अनुसार शासकीय नौकरी प्रदान की जा चुकी है तथा 17 परिवारों को पूर्व में 24 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। सभी परिवारों को मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना के तहत राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राज्य में संचालित यात्री बसों में 50 प्रतिशत किराया छूट तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कलेक्टर ने बताया कि पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत आज 15 नक्सल पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रूपए की दर से कुल 60 लाख रूपए के चेक वितरित किए गए। शेष 4 परिवारों को पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

जिले में कुल 16 आत्मसमर्पित नक्सली हैं, जिनमें से 10 को नियमानुसार शासकीय नौकरी दी जा चुकी है। 5 आत्मसमर्पित नक्सलियों को उनके ऊपर घोषित इनाम राशि के रूप में कुल 24 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। वहीं केंद्र सरकार की योजना के तहत 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को नियमानुसार कुल 25 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, यात्री किराया में 50 प्रतिशत छूट तथा पुलिस लाइन में शासकीय आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। वर्तमान में 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को अनुग्रह एवं प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रत्येक को 5-5 हजार रूपए कुल 65 हजार रूपए के चेक वितरित किए गए हैं। शेष तीन व्यक्तियों को तत्कालीन प्रावधानों के अनुसार पूर्व में 30 हजार रूपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जा चुकी है। पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी एंटी नक्सल अभियान चलाए जाने के परिणामस्वरूप राजनांदगांव जिले में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। जिला प्रशासन नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सतत कार्य कर रही है। इस अवसर पर श्री कोमल सिंह राजपूत, अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

भाटापारा विधानसभा में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी का शानदार स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 13 जुलाई। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान भाटापारा विधानसभा में कांग्रेसजनों द्वारा आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। प्रतापगढ़ी बिलासपुर में आयोजित छात्रों की गूंज छात्र संवाद कार्यक्रम में सहभागिता हेतु भाटापारा विधानसभा से गुजरते वक्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, विधायक इन्द्र साव, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन, सहित प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई तथा कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग की समीक्षा में आयुक्त ने नई दर से डिमांड दुरुस्त कर वसूली के दिये निर्देश

■ 50 हजार से अधिक के बकाया करदाताओ को दे डिमाण्ड नोटिस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 13 जुलाई। नवागत आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर सभी वार्ड प्रभारियो से परिचय प्राप्त कर इस वित्तीय वर्ष में नये डिमाण्ड के आधर पर राजस्व वसूली के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वसूली के लिए प्लान तैयार कर कार्य करे। बडे बकायादारो को नोटिस जारी करे, उन्हे समझाईस देवे कि अपने बकाया करो का भुगतान कर आर्थिक भार से बचे।

आयुक्त ने बैठक में कहा कि अपने अपने प्रभारित वार्ड के करदाताओ की सूची तैयार करे और बडे बकाया दारो का नाम उपर रखे और प्रतिदिन वसूली के लिए जाए। वसूली के लिए एक टारगेट तय करे, कि आज मुझे इतनी वसूली करनी है। इस प्रकार प्लान करने

से वसूली में तेजी आयेगी। नये डिमाण्ड तैयार कर उसे करदाताओ को तामिल करे, उन्हे बतावे कि इस वित्तीय वर्ष में डिमाण्ड के आधार पर सम्पत्तिकर का भुगतान करना है और समय में भुगतान कर अधिभार से बचना है।

आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि राजस्व वसूली के अलावा साफ सफाई एवं विद्युत व्यवस्था का भी निरीक्षण करे। गंदगी या कचरे का ढेर देख संबंधित को अवगत करावे। इसी प्रकार बंद लाईट की भी जानकारी विद्युत प्रभारी को दे। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में चर्चा कर सोलर पेनल लगाने भी करदाताओ को प्रेरित करे। उन्हे इसके फायदे के बारे में जानकारी देवे। साथ ही इस बारिश में अपने घरो में रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने भी समझाईस दे, जिससे भू-गर्भ में जल स्तर बढ़ सके। बैठक में राजस्व अधिकारी श्री मोबिन अली, सहायक राजस्व अधिकारी श्री हितेश ठाकुर सहित सहायक राजस्व निरीक्षक एवं राजस्व उप निरीक्षक उपस्थित थे।

डायल-112 की टीम ने 'गोल्डन आवर' में घायल को पहुंचाया जिला अस्पताल

बलौदाबाजार 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। रिसदा-लटुवा मार्ग पर ग्राम लटुवा मेन रोड के पास एक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल सवार अपनी तेज रफ्तार बाइक पर नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार की डायल 112 टीम ने तत्परता और सजगता दिखाते हुए घायल को तत्काल जिला अस्पताल बलौदाबाजार में भर्ती कराया। कंट्रोल रूम से दोपहर 03:47 बजे इवेंट (सूचना) प्राप्त होते ही डायल 112 वाहन में तैनात आरक्षक क्रमांक 763 त्रिलोचन ध्रुव और वाहन चालक जीवन सिंह राजपूत बिना कोई समय नष्ट किए तत्काल घटनास्थल ग्राम लटुवा मेन रोड के लिए रवाना हुए। ?मौके पर पहुंचने पर देखा कि एक मोटरसाइकिल सवार सड़क किनारे अत्यंत घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। पूछताछ और जांच में घायल व्यक्ति की पहचान गोपीचंद कन्नौजे, निवासी ग्राम लटुवा नायकताड़ के रूप में हुई। बाइक के अनियंत्रित होकर गिरने के कारण उन्हें शरीर और हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई थीं और वे चल पाने में असमर्थ थे।

गोद ग्राम सूमा में पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 13 जुलाई। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स्), उन्नत भारत अभियान एवं रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में गोद ग्राम सूमा में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के संचालक मनीष शुक्ला एवं प्राचार्या डॉ. वंदना चौहान के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना, उन्नत भारत,रेडक्रॉस के कार्यक्रम अधिकारी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों की उपस्थिति में 70 स्वयंसेवकों ने कटहल, जामुन, सीताफल, आम, पेंटाफेरम, नीम,जामुन, पपीता सहित अनेक फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किये इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली व घर-घर संपर्क कर घर मे पौधा लगाए ग्रामीणों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, व लगाये गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास के लिए ग्राम वासियों को प्रेरित किये।

सिमगा-हथबंद-बलौदाबाजार जर्जर सड़क के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन कर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सिमगा 13 जुलाई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमगा के नेतृत्व मेंजिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा धृतलहरे , प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी एवं प्रदेश सेवादल अध्यक्ष अरुण ताम्रकार की उपस्थिति में सिमगा-हथबंद-बलौदाबाजार मार्ग की वर्षों से जर्जर एवं बदहाल स्थिति के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के पश्चात मुख्यमंत्री के नाम सिमगा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि सिमगा-हथबंद-बलौदाबाजार मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराई जाए। ज्ञापन में कहा गया कि यह मार्ग क्षेत्र की प्रमुख जीवनरेखा है, जिस पर प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं। सड़क की बदहाल स्थिति के एवं गड्ढों में पानी भर जाने के कारण कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं तथा आम नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान सड़क के दोनों ओर भारी वाहनों एवं ट्रकों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। जाम में फंसे कई ट्रक चालकों ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि इस जर्जर सड़क के कारण उन्हें प्रतिदिन भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू भाटिया ने चेतावनी देते हुए कहा की यदि शीघ्र सड़क मरम्मत का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी आम जनता को साथ लेकर उग्र जनआंदोलन करेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री राजू भाटिया ,ब्लॉक प्रभारी श्री दीपक वर्मा , कांग्रेस नेत्री सुनीता यादव , मंडल अध्यक्ष अशोक देवांगन , पार्षद परदेसी सोनकर , पूर्व पार्षद राहुल शर्मा , ब्लॉक उपाध्यक्ष कान्हा यदु , महामंत्री अजीत भट्ट , विष्णु कोसले , विक्की मानिकपुरी, सचिव यश शर्मा ,लल्लू पाटकर , वि म पाण्डे , पप्पू राजपूत, दाऊ यदु , मोहन यदु सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों के उपचार के लिए एक उम्मीद की किरण साबित हो रहा है हेल्पिंग हैंड चैरिटी ग्रुप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा 13 जुलाई। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को सिर्फ एक उम्मीद दिला दो, कि हम आपके साथ खड़े हैं, उस व्यक्ति की आधी समस्या वैसी ही खत्म हो जाती है। छुरा नगर में ऐसी ही उम्मीद की किरण÷ जगाती हेल्पिंग हैंड्स चैरिटी ग्रुप नामक एक समूह संचालित है जिसमें लगभग कुल 210 सदस्य शामिल हैं जो आर्थिक रुप से असहाय लोगों की ईलाज के लिए आंशिक सहयोग राशि उनके पारिवारिक व आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर प्रदान करते हैं, ताकि सही व्यक्ति को अधिकाधिक सहयोग किया जा सके। वर्ष 2020 से संचालित ये समूह अब तक 167 से अधिक जरुरतमंदों तक समूह के माध्यम से 20 लाख रू. से अधिक की सहयोग राशि पहुंचा चुकी है। इस समूह का एक ही उद्देश्य है कि राशि के अभाव में कोई भी जरुरतमंद ईलाज से वंचित ना होने पाए।

हेल्पिंग हैंड्स चैरिटी ग्रुप-छुरा
खाता नंबर-87480100030314
IFSC CODE - BARB0DBCHHU

सिर्फ जून माह 2026 के निःस्वार्थ सेवा और सहयोग के इस क्रम में ग्राम पलेमा (दादरगांव नया) निवासी संतोषी बाई लोहार जिनके पेट से लगभग डेढ़ किलो का ट्यूमर निकाला गया और साथ में उनका बाईपास सर्जरी किया गया है, के लिए 20000 रू, हरीश कुमार पटेल ग्राम करकरा (छुरा) को कैंसर जैसे घातक बीमारी के उपचार हेतु 20000 रू, ग्राम कुंडेल (तरीघाट) निवासी नीलकमल चक्रधारी के एक्सीडेंट केस (सिर पर गंभीर चोट) के लिए 10000 रू, बंसीलाल नागेश (चरोदा) के एक्सीडेंट केस के लिए ग्रुप द्वारा 10000 रू की मदद स्वीकृत की गई और चारों को सहायता राशि चेक के माध्यम से दिया गया। इन चारों के उपचार हेतु आर्थिक मदद की अपील हेल्पिंग हैंड चैरिटी ग्रुप छुरा के पास आया था, जिस पर कार्यकारिणी समूह द्वारा कागजी कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात् इन चारों के लिए कुल 60000 रू की सहयोग राशि सिर्फ जून 2026 माह में ग्रुप द्वारा प्रदान की गई।

जनसेवा ही प्रभुसेवा है के उक्ति को चरितार्थ करता हुआ यह ग्रुप वर्तमान में सिर्फ गरियाबंद जिलांतर्गत आने वाले गंभीर बीमारी से पीड़ित और आर्थिक रुप से अक्षम लोगों को उपचार हेतु आंशिक आर्थिक सहयोग राशि चेक के माध्यम से प्रदान करता है। इस सेवा कार्य में गरियाबंद जिले सहित अन्य जिलों के लगभग 210 से अधिक सेवाभावी सदस्य जिसमें नौकरीपेशा के साथ ही व्यापारी, कृषक वर्ग जुड़े हुए हैं, जो प्रतिमाह अपने मेहनत के कमाई का अंशदान समूह को ऐसे सेवा कार्य के लिए प्रदान करते हैं। हेल्पिंग हैंड्स चैरिटी ग्रुप परिवार ने सभी पीड़ितों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु कामना किया है। सेवा कार्य के इन 6 वर्षों में समूह ने 20 लाख रू से अधिक का सहयोग राशि जरूरतमंदों को किया हैं। यह जानकारी ग्रुप के कोषाध्यक्ष श्री गोपाल सोनी और लक्की मेमन द्वारा दिया गया है। समूह से जुड़कर अपना सहयोग करने या स्थानीय जरूरतमंदों की जानकारी समूह तक पहुंचाने के लिए मोबाइल नंबर 9893777868 और 9993442877 में संपर्क किया जा सकता है।

आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा निराशाजनक रहा

भारतीय टीम आयरलैंड व इंग्लैंड के दौरे पर जाने से पहले टी-20 में नंबर वन टीम थी क्योंकि वह टी-20 का विश्व कप जीता था। आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे के बाद वही भारतीय टीम दुनिया की नंबर दो टीम हो गई है क्योंकि वह आयरलैंड व इंग्लैंड में हुए सात टी-20 मैचों से एक मैच श्रेयस अय्यर की कप्तानी में नहीं जीत सकी है। ऐसा शायद ही किसी देश में होता है कि एक कप्तान के नेतृत्व में टीम विश्व कप जीतती है और एक दूसरे कप्तान के नेतृत्व में वह लगातार 6 मैच हारकर दुनिया की नंबर दो टीम हो जाती है। यह देश के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बहुत निराशा जनक हैं। भारत के दो विदेश दौरों में भारत की हार के कई कारण हो सकते हैं।कप्तान दूसरे देश की पिच,वहां की टीम की तैयारी, जीतने की रणनीति नहीं बना सके, अपने खिलाडिय़ों को खुद अच्छा खेलकर अच्छा खेलकर अच्छा खेलने के लिए प्रेरित नहीं कर सके। हर हार के बाद वह हारने के नए बहाने बनाते रहे। नए नए कारण बताते रहे। उनको स्वीकारना था कि जिस तरह बाकी खिलाड़ी विदेश में अपने आपको वहां के माहौल, पिच, मैदान,बालिंग के हिसाब से तैयार नहीं कर सके, कप्तान भी कहां बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सके हैं। इसके बाद कोच व सहायक स्टाफ का नंबर आता है, इनकी जिम्मेदारी होती है कि एक मैच में खिलाड़ी जो गलती करते हैं और उसके कारण टीम मैच हारती है तो उनकी गलती सुधारने के लिए अभ्यास कराया जाना चाहिए ताकि दूसरी बार बालर हो या बैटसमैन या फील्डर हो, वैसी ही गलती दूसरी बार न करे। अगर टीम लगातार दो विदेशी दौरों में हार रही है तो बार बार एक जैसी गलती करके हार रही है तो इसके लिए खिलाड़ी जितने दोषी है, कप्तान जितने दोषी है, कोच व सहायक स्टाफ भी उतना ही दोषी है।भारत व इंग्लैंड के टीम की तुलना की जाए तो इंग्लैंड की टीम बैटिंग,बालिंग व फील्डिग में भारत से बहुत आगे रही है।हर विभाग में उसकी तैयारी व जीत के लिए खेलने का जज्बा दिखता है। लगता है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी जीतने के लिए खेल रहे हैं और भारत के खिलाड़ी खेलने की औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। यही वजह है कि सात साल तक जो टीम सीरीज नहीं गंवाती थी, उसने सात साल बाद दो टी-20 सीरीज गंवाई है। क्रिकेट के जानकार लोगों का कहना है कि भारत की लगातार दो सीरीज व लगातार छह मैचों में हार का एक कारण आईपीएल का प्रभाव भी है। क्योंकि भारत के सभी खिलाड़ी लगातार दो महीने तक आईपीएल में खेलते रहे हैं, यहां के मैदान, मौसम, पिच के हिसाब से वह जैसा आईपीएल में खेलते रहे हैं, आसानी से चौके छक्के मारते रहे हैं, वैसा मैदान,पिच व मौसम उनको न तो आयरलैंड में मिला और नही इंग्लैंड में मिला। जिस ज्योफ्रा आर्चर को यहां के मैदान में भारतीय खिलाड़ी आसानी से चौका व छक्का मारते थे, वही भारतीय खिलाड़ी आयरलैंड व इंग्लैंड़ में बालरों की आईपीएल की पिटाई नहीं कर सके और खुद पिट गए। भारत में आईपीएल में पिच बल्लेबाजों के हिसाब से बनाई जातीं है ताकि क्रिकेट देखने वालों को देखने का मजा आए। भारतीय दर्शक तब बहुत खुश होते हैं जब बल्लेबाज बालरों की धुआंधार पिटाई करते हैं। यहीं वजह है कि यहां दुनिया के बड़े बालरों की खूब पिटाई बल्लेबाज करते हैं। भारतीय दर्शकों का यह आदत है देखने की भारतीय बल्लेबाज कैसे बालरों की पिटाई करते हैं। वही बल्लेबाज जब विदेश जाते हैं तो वह वहां के पिच के हिसाब से तेज उछाल वाली गेंद को ढंग से खेल नहीं पाते हैं और ज्यादातर खिलाड़ी शार्ट बाल पर आउट हो जाते हैं। भारतीय टीम का कोई खिलाड़ी पूरे ओवर टिककर नहीं खेल सका है, बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी है। भारतीय टीम ने 190 रन बनाए तो गेंदबाज इतने रन के भीतर आउट नहीं कर सके, विरोधी टीम ने 200 रन बनाए तो बल्लेबाज उसका पीछा नहीं कर सके। यानी कभी बल्लेबाज टीम को नहीं जिता सके तो कभी गेंदबाज टीम के नहीं जिता सके। दोनों दौरे में नए बल्लेबाजों और गेंदबाजों को मौका दिया गया लेकिन कोई खास कुछ नहीं कर सका। वैभव सूर्यवंशी से बड़ी उम्मीद की जा रही थी, उनके लिए राजस्थान में उनके साथ खेल आर्चर ही बड़ी चुनौती साबित हुए और तीन बार में से दो बार उनको आसानी से आउट कर दिया। वैभव की उमर कम है,उसे धीरे धीरे देश व बाहर के मैदानों का अनुभव होगा तो वह अच्छा खेलेंगे वह देश का कम उम्र का सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी है, उसको निरंतर प्रोत्साहन की जरूरत है और निरंतर प्रोत्साहन मिलने पर वह आने वाले दिनों में देश के लिए अच्छा खेलेंग और टीम की जीत में अहम भूमिका निबाहेंगे।

(अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषण)

युद्धविराम का मिथक और वैश्विक शांति का संकट

संजीव ठाकुर

अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच समय-समय पर घोषित होने वाले युद्धविराम और शांति प्रयासों ने विश्व समुदाय के सामने अनेक गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जब जब युद्धविराम की घोषणा हुई, कुछ ही समय बाद नए हमले, नई सैन्य कार्रवाइयाँ और नए आरोप सामने आ गए हैं। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि शांति केवल कूटनीतिक घोषणा बनकर रह गई है, जबकि ज़मीनी स्तर पर संघर्ष समाप्त होने के बजाय और जटिल होता जा रहा है।। आज पूरा विश्व महँगाई, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता उसका प्रभाव तेल की कीमतों, खाद्यान्न, परिवहन, निवेश, रोजगार और आम नागरिक के जीवन तक पहुँचता है। यही कारण है कि मध्य-पूर्व का प्रत्येक तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

अमेरिका लंबे समय से इज़रायल का प्रमुख सहयोगी रहा है। उसके समर्थकों का तर्क है कि वह अपने सहयोगी की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, जबकि आलोचकों का मानना है कि अमेरिका के दोहरे मानदंड उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। दूसरी ओर इज़रायल का कहना है कि उसकी सैन्य कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है, जबकि उसके विरोधियों का आरोप है कि अत्यधिक सैन्य बल से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है। ईरान स्वयं को क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता रहा है। अनेक पश्चिमी देश और कुछ क्षेत्रीय सरकारें आरोप लगाती रही हैं कि ईरान कुछ सशस्त्र संगठनों को समर्थन देता है,

जबकि ईरान इन आरोपों से इनकार करता है और अपनी नीति को राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय संतुलन का हिस्सा बताता है। यही परस्पर अविश्वास इस संघर्ष को और गहरा करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक अवसरों पर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे।।वहीं उन्होंने यह भी कहा कि यदि ईरान वार्ता के लिए आगे आता है तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इन दो संदेशों।कड़े सैन्य रुख और कूटनीतिक संवाद के बीच का विरोधाभास विश्व समुदाय को असमंजस में डालता है।।इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार यह कहते रहे हैं कि इज़रायल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा और आवश्यकता पड़ने पर हर खतरे का जवाब देगा।।उनके अनुसार ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताएँ इज़रायल के अस्तित्व के लिए चुनौती हैं। दूसरी ओर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई और ईरानी नेतृत्व बार-बार यह कहते रहे थे कि ईरान किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपनी संप्रभुता तथा राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा।।ईरान यह भी आरोप लगाता है कि अमेरिका और इज़रायल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। इन परस्पर विरोधी बयानों के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि सभी पक्ष स्वयं को शांति का समर्थक बताते हैं, तो युद्ध की आग बार-बार क्यों भड़क उठती है? क्या युद्धविराम वास्तव में स्थायी शांति का माध्यम है, या केवल सैन्य और कूटनीतिक पुनर्संयोजन का अवसर?

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने कई बार सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और तत्काल तनाव कम करने की अपील की है। उनका स्पष्ट मत रहा है कि मध्य-पूर्व किसी और युद्ध का भार नहीं उठा सकता। यह कथन केवल एक क्षेत्र की चिंता नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के भविष्य की चेतावनी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महाशक्तियाँ शक्ति प्रदर्शन के बजाय विश्वास निर्माण को प्राथमिकता दें। इतिहास यह सिद्ध करता है कि युद्ध की राख से कभी स्थायी शांति नहीं जन्म लेती; स्थायी शांति केवल संवाद, पारस्परिक सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून के निष्पक्ष पालन से ही संभव है।

इस प्रकार के संतुलित और सत्यापन योग्य उद्धरण आपके आलेख को अधिक विश्वसनीय और प्रकाशन-योग्य बनाते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि शांति वार्ताएँ अक्सर युद्ध की तैयारी के समानांतर चलती दिखाई देती हैं। एक ओर बातचीत होती है, दूसरी ओर हथियारों की खरीद, सैन्य तैनाती और रणनीतिक गठबंधन तेज़ हो जाते हैं। इससे विश्व समुदाय के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्धविराम वास्तव में शांति के लिए है या केवल अगली सैन्य तैयारी के लिए समय जुटाने का माध्यम? संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रभावशीलता भी इस संकट में कठोर परीक्षा से गुजर रही है। यदि विश्व की सबसे बड़ी संस्थाएँ स्थायी शांति स्थापित करने में सफल नहीं होतीं, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमज़ोर पड़ता है। आज जरूरत किसी एक देश का पक्ष लेने की नहीं, बल्कि ऐसी वैश्विक व्यवस्था की है जहाँ अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और संवाद को हथियारों से अधिक महत्व मिले। विश्व युद्ध की आशंका, परमाणु हथियारों का खतरा और बढ़ती आर्थिक अस्थिरता मानव सभ्यता के लिए गंभीर चेतावनी हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध का कोई स्थायी विजेता नहीं होता। विजेता और पराजित दोनों की कीमत अंततः आम नागरिक चुकाते हैं। इसलिए विश्व नेतृत्व को शक्ति प्रदर्शन से अधिक विश्वास निर्माण, पारदर्शी कूटनीति और स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। यही मानवता के हित में सबसे बड़ा निवेश होगा।

सू- दोकू क्र.098

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.097 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

शब्द सामर्थ्य -098

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 097 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
ब	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

•श्री पबित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है। वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 8.6% का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियनसे ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्सका अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्सके पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्सके पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता हैऔर शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है।

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकीवस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफविज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफरको दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है।

इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज़्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज़्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज़्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज़्यादा खास तौर पर आयोजित बिज़नेस टू बिज़नेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्रभी होंगे, जो अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढ़ांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे। उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस ज़िम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज़्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशनके दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्सका यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।

आज भारत टेक्समेंलगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिएप्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने "31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे मैन-मेड फाइबर वाले कपड़ों, फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफदृष्टिकोण को अपनाते हुए सात पीएम पार्क को एकीकृत विनिर्माण व्यवस्था के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ज़मीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का काम भी तेज़ी से चल रहा है, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत 794 हैंडलूम क्लस्टर में लगभग "2,000 करोड़ का निवेश किया गया है। इससे 1.17 लाख बुनकरों को बेहतर करघेमिले हैं और लगभग 90,000 कामगारों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रमके तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में "1,335 करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया गया है। इसके अलावा, 1.5 लाख से ज़्यादा बुनकरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा गया है और बुनकर मुद्रा योजनाके तहत लगभग 3 लाख लोगों को बिना गारंटी के ऋण दिए गए हैं। अपने घरेलू निर्माताओं, कारीगरों और अन्वेषकों को सीधे वैश्विक बाज़ार से जोड़कर, इन व्यापक सुधारों ने हमें उस बड़े वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए तैयार किया है, जिसकी झलक इस हफ्ते देखने को मिल रही है।आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नज़र डालते हैं, तो हमारा नज़रिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नज़र आता है। यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विज़न 2030 रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत @ 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मैं आप सभी को भारत टेक्स 2026 में अगले चार दिनों तक हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि आप हमारे श्रमिकों की अविश्वसनीय शक्ति, हमारे रचनाकारों के शानदार नवाचारों और वैश्विक वस्त्रों के भविष्य को देख सकें, जिन्हें गर्व से भारत में डिज़ाइन किया गया है, टिकाऊ तरीके से निर्मित किया गया है और बड़े पैमाने पर एकीकृत किया गया है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं।)

परमपूज्य 'बेइज्जती' महाराज की जय

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

परमपूज्य बेइज्जती हमारे समाज का वह अदृश्य ऑक्सीजन है, जिसके बिना हमारी सामाजिक साँसें अटक जाती हैं। लोग कहते हैं कि इज्जत कमाने में जिंदगी गुजर जाती है, पर सच मानिए, बेइज्जती कमाने के लिए तो बस एक बार सच बोलने की जुर्रत काफी है। हमारी व्यवस्था में इज्जत उस सरकारी फाइल की तरह है जो बिना रिश्वत के आगे नहीं बढ़ती, जबकि बेइज्जती वह आवारा सांड है जो बिना बुलाए आपके वीआईपी लॉन में घुस आता है। जब तक समाज में किसी की बेइज्जती न हो, तब तक लोगों की सुबह की चाय में चीनी कम लगती है और शाम के समोसे का स्वाद फीका रहता है। दरअसल, यह वह अनमोल गहना है जिसे हर आदमी दूसरों को मुफ्त में पहनाने के लिए उतावला रहता है। जब कोई आपकी बेइज्जती करता है, तो समझिए वह आपके वजूद पर सामाजिक स्वीकृति की पक्की मुहर लगा रहा है, क्योंकि नजरअंदाज तो सिर्फ शरीफों को किया जाता है। एक दिन हमारे मोहल्ले के सबसे संभ्रांत और सफेदपोश दीनानाथ जी के घर के सामने एक अजीबो-गरीब हादसा हो गया। हुआ यह कि उनके सुपुत्र ने परीक्षा में टॉप करने की बजाय सीधे देशसेवा का शॉर्टकट चुना और मोहल्ले की ही एक कन्या के साथ स्कूटी पर फर्र से उड़ गए। अब पूरे मोहल्ले में सन्नाटा ऐसा खिंच गया जैसे किसी ने लाउडस्पीकर का प्लग निकाल दिया हो। दीनानाथ जी छाती पीटकर चिल्लाए, "हाय राम! मेरी तो नाक ही कट गई!" मैंने पास जाकर उनकी थूथन को गौर से देखा, वह अपनी जगह सुरक्षित और चमकीली थी। मैंने हंसकर कहा, "दीनानाथ भाई, सूर्पणखा की तरह कटी हुई नाक अगर दिखती नहीं, तो समझो वह प्लास्टिक सर्जरी का कमाल है! दरअसल, आपकी नाक नहीं कटी, बल्कि समाज की आंखों का मोतियाबिंद साफ हुआ है।" वे मुझे ऐसे देखने लगे जैसे मैंने उनके जख्म पर नमक नहीं, बल्कि सीधे लाल मिर्च का पाउडर छिड़क दिया हो। बात आगे बढ़ी तो नुक्कड़ के पान वाले ने भी अपनी अकल का कत्था लगाते हुए कहा, "बाबूजी, इज्जत तो वह गुब्बारा है जिसमें हवा कम और दिखावा ज्यादा होता है, एक सुई लगी नहीं कि फुस्स!" समाज में बेइज्जती का तड़का जब तक न लगे, तब तक किसी के रसूख का असली जायका बाहर निकलकर नहीं आता। लोग अपनी तिजोरियों में इज्जत छुपाकर रखते हैं और जब वह चोरी हो जाती है, तो थाने में एफआईआर लिखाने जाते हैं। दरोगा जी हंसकर कहते हैं, "हुजूर, जो चीज कभी थी ही नहीं, उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कैसे लिखूं?" हमारी दुनिया में बेइज्जती वह आईना है जिसे देखकर लोग अपनी शक्ल सुधारने की बजाय आईना तोड़ने की कसम खा लेते हैं। यह एक ऐसी करेंसी है जो हर बाजार में चलती है, बशर्ते बांटने वाला दिलदार हो। दिव्य प्रकाश दुबे की उस संजीदा और सलीके वाली भाषा में कहें, तो आज का युवा बेइज्जती को 'फीडबैक' समझकर इंस्टाग्राम पर रील बना देता है। पुराने जमाने में जब बेइज्जती होती थी, तो लोग हिमालय चले जाते थे या कम से कम कमरे का दरवाजा बंद करके रो लेते थे। आज के दौर में अगर कोई आपकी बेइज्जती करे, तो लोग तुरंत स्क्रीनशॉट लेकर 'माई करंट मूड' लिखकर स्टेटस लगा देते हैं। दुःख इस बात का नहीं है कि हमारी बेइज्जती हो रही है, मलाल तो इस बात का है कि सामने वाला इसे इतनी फुर्ती से कर गया कि हमें 'थैंक यू' बोलने का मौका भी नहीं मिला। यह जिंदगी भी किसी कटी हुई पतंग जैसी है, जो हवा के रुख पर नहीं, बल्कि मोहल्ले के बच्चों की लपक पर टिकी हुई है। बेइज्जती वह मोमबत्ती है जो जलती दूसरों के घर में है, पर उजाला हमारे चेहरों पर ला देती है। तभी वहां से गुजरते हुए शर्मा जी ने अपनी तोंद को संभालते हुए दार्शनिक जुमला उछाला, "भाई, जिसकी जितनी बड़ी हैसियत, उसकी उतनी ही आलीशान बेइज्जती!" मुझे लगा कि ज्ञान का यह झरना सीधे कबीर के लोक से बहकर आ रहा है। गरीब की बेइज्जती तो फुटपाथ पर पड़े उस पत्थर की तरह होती है जिससे हर राहगीर ठोकर मारकर आगे निकल जाता है और कोई मुड़कर देखता तक नहीं। मगर जब किसी अमीर या रसूखदार की बेइज्जती होती है, तो बकायदा उसका लाइव टेलीकास्ट होता है, प्राइम टाइम पर डिबेट बैठती है और लोग पॉपकॉर्न लेकर टीवी के सामने जम जाते हैं। तब बेइज्जती सिर्फ एक अहसास नहीं रह जाती, बल्कि वह एक नेशनल इवेंट बन जाती है जिसमें शामिल होना हर नागरिक का पुनीत कर्तव्य हो जाता है। यही तो हमारे लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत और जानदार नक्काशी है। "अरे भाई, तुम क्या समझोगे इस दर्द को!" दीनानाथ जी ने हाथ नचाते हुए मुझसे कहा, "जब समाज थूकता है, तो चेहरा साफ नहीं होता, दाग हमेशा के लिए लग जाता है।" मैंने उनकी बात को बीच में ही काटते हुए कहा, "दीनानाथ जी, समाज का थूक तो वह गंगाजल है जिसमें नहाकर पापी भी नेता बन जाते हैं! आप फालतू में परेशान हैं।" इस देश में बेइज्जती को पचाने का हुनर जिसके पास है, वही इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में दर्ज होता है। जो लोग बेइज्जती से डरकर छुपे रहते हैं, वे कछुए की तरह जिंदगी तो लंबी जी लेते हैं, पर समंदर का मजा कभी नहीं चख पाते। बेइज्जती तो वह खाद है जिसे यदि आप अपने अहंकार की जड़ों में डाल दें, तो विनम्रता के बड़े ही मीठे फल उगते हैं, बशर्ते आपकी चमड़ी भैंस से थोड़ी ज्यादा मोटी हो। बेइज्जती आपके पास आएगा, आपके कंधे पर हाथ रखेगा और इतनी शराफत से आपकी लंका लगाएगा कि आपको लगेगा कि वह आपका शुभचिंतक है। वह कहेगा, "बुरा मत मानना भाई, मैं तो तुम्हारे भले के लिए कह रहा हूँ, वरना दुनिया तो थू-थू कर रही है।" इस 'भले के लिए' वाले जुमले ने जितने कत्ल किए हैं, उतने तो मुगलों की तलवारों ने भी नहीं किए होंगे। यह वह मीठा जहर है जिसे लोग बड़े चाव से चम्मच में भरकर एक-दूसरे को पिलाते हैं और फिर उम्मीद करते हैं कि सामने वाला 'अमृत' समझकर इसे पी जाए और मुस्कुराकर दुआएं भी दे। आखिरकार, बेइज्जती कोई अभिशाप नहीं, बल्कि इस मतलबी दुनिया में जिंदा रहने का सबसे बड़ा सर्टिफिकेट और वजूद का अहसास है। अगर आपकी जिंदगी में कोई आपकी बेइज्जती करने वाला नहीं है, तो समझिए आप इस दुनिया के लिए अप्रासंगिक हो चुके हैं, आपका होना न होना बराबर है। इसलिए जब भी कोई आपकी बेइज्जती करे, तो दुखी होने की बजाय एक गहरी सांस लीजिए, अपने कॉलर को थोड़ा सीधा कीजिए और मुस्कुराकर कहिए, "चलो, आज फिर किसी के काम आए!" क्योंकि इस दौर में मुफ्त में मनोरंजन देना भी किसी पुण्य से कम नहीं है। इज्जत तो वो कफन है जो मरने के बाद मिलता है, पर बेइज्जती वो जिंदादिल लिबास है जिसे पहनकर आदमी समाज की हर महफिल में सीना तानकर शान से घूम सकता है।

एक नजर

दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी ने 38 दिव्यांग छात्रों को शैक्षणिक सामग्री बांटी

बीजापुर 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी ने रविवार को बीजापुर के एजुकेशन सिटी स्थित समर्थ दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में अध्ययनरत 38 दिव्यांग छात्रों के बीच सेवा कार्य करते हुए निःशुल्क स्कूल बैग, कॉपी, पुस्तकें, कम्पास बॉक्स, पेन, पेंसिल सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर बच्चों के लिए विशेष पौष्टिक भोजन की भी व्यवस्था की गई, जिसमें देशी चिकन, पनीर की सब्जी, चावल और सलाद परोसा गया। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी के सदस्य रितेस दास ने पुनर्वास केंद्र के बच्चों के भोजन की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह चार गैस सिलेंडर निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की। उनकी इस पहल का केंद्र प्रबंधन एवं उपस्थित लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। गौरतलब है कि पूर्व युवा आयोग सदस्य अजय सिंह ने अपने पुत्र दिशांत के आकस्मिक निधन के बाद उनकी स्मृति में दिशांत संजीवनी वेलफेयर सोसायटी की स्थापना की थी। स्थापना के बाद से संस्था लगातार समाजहित में विभिन्न सेवा कार्यों का संचालन कर रही है। हाल ही में सोसायटी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैरमगढ़ को सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी। इसके अलावा अस्पतालों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए नियमित निःशुल्क भोजन वितरण तथा जरूरतमंद लोगों को आवश्यक सहायता भी निरंतर उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम के अंत में पुनर्वास केंद्र के बच्चों और प्रबंधन ने सोसायटी के इस सराहनीय प्रयास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने के साथ दूसरों को भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

रियासतकालीन बस्तर गोंचा महापर्व में नेत्रोत्सव पूजा विधान 15 जुलाई को

जगदलपुर, 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर गोंचा महापर्व 2026 में तय कार्यक्रम के अनुसार 29 जून को देवस्नान पूर्णिमा (चंदन जात्रा) पूजा विधान के साथ बस्तर गोंचा महापर्व का आगाज हो चुका है, 14 जलाई तक श्रीजगन्नाथ स्वामी के अनसर काल में दर्शन वर्जित है, नेत्रोत्सव पूजा विधान 15 जुलाई को संपन्न करवाया जायेगा। 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे ने बताया कि देवस्नान (चंदन जात्रा) पूजा विधान 29 जून के पश्चात श्रीजगन्नाथ स्वामी के अस्वस्थता कालावधि अर्थात अनसर काल के दौरान भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन वर्जित अवधि में श्रीजगन्नाथ मंदिर में स्थित मुक्तिमण्डप में स्थापित भगवान श्रीजगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी के विग्रहों को श्रीमंदिर के गर्भगृह के सामने भक्तों के दर्शनार्थ स्थापित किये जाने के बाद नेत्रोत्सव पूजा विधान 15 जुलाई को संपन्न किया जावेगा। उन्होने बताया कि बस्तर गोंचा पर्व का वह क्षण जब भगवान जगन्नाथ के नेत्रोत्सव पूजा विधान का होगा तब श्रीमंदिर के बाहर भक्तो-श्रद्धालुओं के लिए भगवान श्रीजगन्नाथ विराजमान होंगे। देवस्नान ज्येष्ठ पूर्णिमा,चंदन जात्रा पूजा विधान 29 जून को सम्पन्नता के पश्चात 14 जुलाई तक भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी का अनसर काल की अवधि में भगवान के भक्त-श्रृधालुओं को भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन से 15 दिनों तक वंचित होंगे। भगवान श्रीजगन्नाथ जगत के पालनकर्ता भी कहलाते है, अर्थात भगवान सर्वव्यापी है, जिनकी नजरों से भक्त-श्रद्धालु कभी भी वंचित नही हो सकते है, लेकिन भगवान की लीला से भक्त-श्रद्धालु के लिए अस्वस्थ हुए भगवान श्रीजगन्नाथ अनसर काल के दौरान 15 दिनों तक भगवान के दर्शन से वर्जित हो गए। इतने दिनों तक भगवान के दर्शन से वर्जित होने से यह भक्तो-श्रद्धालुओं के लिए भगवान श्रीजगन्नाथ के सुदर्शन चक्र के रक्षा सूत्र से विलग होने जैसे व्याकुलता को दूर करने के लिए भगवान श्रीजगन्नाथ श्रीमंदिर के बाहर भक्तो-श्रद्धालुओं के नयनाभिराम के लिए भगवान का भक्तो-श्रधालुओं के पास आना, यह भगवान श्रीजगन्नाथ का भक्तो-श्रद्धालुओं के साथ आध्यात्मिक मिलन ही नेत्रोत्सव कहलाता है।

1977 एवं 84 में कांग्रेस के वितरित स्थायी पट्टों की रजिस्ट्री कर गरीब परिवारों को दिलाया जाए उनका अधिकार:राजेश चौधरी

- **नेता प्रतिपक्ष चौधरी ने छत्तीसगढ़ नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत से मुलाकात कर विधानसभा में प्रमुखता से उठाने हेतु सौंपा ज्ञापन**

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 13 जुलाई। विगत दिनों पूर्व दो दिवसीय प्रवास पर जगदलपुर आए छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत से जगदलपुर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद दल के द्वारा सर्किट हाउस में शिष्टाचार मुलाकात किया गया साथ ही नगर निगम से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई.इस दौरान सर्किट हाउस में उप नेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल, पूर्व विधायक गुरमुख सिंह होरा, संयुक्त महासचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी शंकर राव, पूर्व एआईसीसी सदस्य शामू कश्यप,पूर्व पार्षद गौरनाथ नाग,विक्रम डांगी,पार्षद सूर्या पानी,मनप्रीत सिंह डांगी,शेख जाहिद हुसैन,ज्योस्टीन भवानी,अफरोज बेगम, लोकेश चौधरी,रामकृष्ण तिवारी मौजूद रहे।

इसके पश्चात नगर पालिक निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत से राजधानी रायपुर में उनके निज निवास में भेंट मुलाकात व ज्ञापन सौंपकर वर्ष 1977 एवं 1984 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा गरीब परिवारों को वितरित किए गए आवासीय स्थायी पट्टों के रजिस्ट्रेशन के संबंध में विधानसभा में प्रश्न उठाने तथा प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है।

तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को उनके आवासीय अधिकार सुनिश्चित करने और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से स्थायी पट्टे वितरित किए थे। इन पट्टों का उद्देश्य संबंधित भूमि की रजिस्ट्री भूमि स्वामी के नाम पर कराना था, ताकि भविष्य में वे प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा ऋण, बैंक ऋण सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। राजेश चौधरी ने बताया कि समय-समय पर जब पट्टाधारी राजस्व विभाग की नजूल शाखा, जगदलपुर में संपर्क करते हैं, तब उन्हें यह कहकर लौटा दिया जाता है कि संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही के कारण पट्टाधारियों के नाम दर्ज मूल रजिस्टर ही गायब हो गए हैं, जिसके चलते आज हजारों परिवारों को उनके वैध अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने का हवाला देकर इन स्थायी पट्टों को अवैध बताने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे गरीब परिवार न तो अपनी भूमि की रजिस्ट्री करा पा रहे हैं और न ही प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा ऋण अथवा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं।जगदलपुर एवं बस्तर क्षेत्र के लगभग 60 प्रतिशत ऐसे परिवार इस समस्या से प्रभावित हैं। यदि सरकार इन स्थायी पट्टों का सत्यापन कर भूमि स्वामियों के नाम रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण कराए अथवा पुनः स्थायी पट्टे जारी करे, तो हजारों गरीब परिवारों को राहत मिलेगी और वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। राजेश चौधरी ने नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत से आग्रह किया है कि इस गंभीर जनहित के विषय को विधानसभा में प्रमुखता से उठाकर सरकार से जवाब मांगा जाए तथा प्रभावित परिवारों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विधानसभा में यह मुद्दा उठने से वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत मिलेगी तथा उन्हें उनके वैधानिक अधिकार प्राप्त होंगे। राजेश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र निर्णय लेगी, जिससे हजारों परिवारों का वर्षों पुराना राजस्व संबंधी विवाद समाप्त हो सकेगा।

मानसून की पहली बारिश में ही ढह गई बालुद में बनी सिंचाई नहर

- **किसानों का आरोप-घटिया स्तर का किया गया नहर का निर्माण.**
- **हर बार ठगे जा रहे हैं बालुद के किसान, प्रभावित किसान मुख्यमंत्री से करेंगे मामले की शिकायत.**
- **नहर बनाने सीमेंट कांक्रीटिंग कार्य में वाईब्रेट मशीन का भी नहीं किया गया उपयोग**

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 13 जुलाई। जिले के बालुद पंचायत में जल संसाधन विभाग द्वारा लाखों की लागत से बनाया गया सिंचाई नहर पहली बारिश में ही टूटकर क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया है। केनाल के टूट जाने से क्षेत्र के किसान बेहद दुखी एवं आक्रोशित हैं। किसानों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार की मिलीभगत से घटिया स्तर का नहर निर्माण किया जा रहा है। किसानों की मानें तो हर बार सिंचाई नहर एवं पाइपलाइन बिछाने के नाम पर उन्हें धोखा मिलता रहा है। पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से करने की बात पीड़ित प्रभावित किसानों ने कही है।

नवनिर्मित सिंचाई नहर टूटने की घटना जिला मुख्यालय से महज 6 किमी की दुरी पर स्थित ग्राम पंचायत बालुद का है। गौरतलब है कि जल संसासधन विभाग ने बालुद के केवरामुंडापारा में 82 हेक्टेयर कृषि भुमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करने एवं यहां के करीब 150 किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से उद्वहन सिंचाई योजना का नवीनीकरण कार्य के तहत अधो संरचना विकास एवं पर्यावरण उपकरण निधि अंतर्गत करीब 54 लाख रूपए की लागत से हाल ही में करीब 200 मीटर पक्का सीमेंट कांक्रीट नहर का निर्माण करवाया है। बीते माह ही नहर बनकर तैयार हुआ था। माननुस की पहली बारिश अंचल में करीब सप्ताह भर तक रूक रूककर होती रही इसी दौरान पहली बारिश का पानी भी नवनिर्मित सीमेंट कांक्रीट से बनी सिंचाई नहर नहीं झेल पाया और जमींदोज हो गया। जगह जगह पर दरारें भी पड़ गई है। नहर टूट जाने से यहां के सैकड़ों किसान अपने को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। नहर बनने से किसान काफी खुश थे उन्हें लगा था कि कम से कम इस साल तो बारिश में उनके खेतों में भरपुर पानी पहुंचेगा मगर उनकी ये खुशी कुछ महिनों में ही टूटकर बिखर गई क्योंकि चंद रोज पहले ही बनकर तैयार हुआ नहर का एक हिस्सा पहली बारिश भी नहीं झेल पाया और जगह जगह से टूटकर बिखर गया। नहर के टूटने से किसान काफी आहत हैं। किसानों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग के अधिकारी व ठेकेदार की आपसी सांठगांठ से भ्रष्टाचार कर घटिया निर्माण को अंजाम दिया गया जिसके वजह से ही नहर टूटा है।

बालुद के प्रभावित किसानों एवं पचांयत के जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि जब नहर का निर्माण हो रहा था उसी दौरान ही ठेकेदार एवं इंजीनियर को अवगत कराया गया था कि कार्य मानक के अनुरूप नहीं हो रहा है। गुणवत्ता में भी भारी कमी दिखाई पड़ रही है। कांक्रीटिंग कार्य में वाइब्रेटर मशीन का भी उपयोग नहीं किया जा रहा था। बारंबार कहने के बावजूद भी ठेकेदार एवं इंजीनियर ने हमारी बातों पर ध्यान नहीं दिया जिसके परिणाम स्वरूप आज नहर हल्की बारिश भी झेल नहीं पाया और क्षतिग्रस्त हो गया। किसानों की मानें तो नहर में कांक्रीटिंग करीब 4 इंच किया जाना था वहीं ठेकेदार ने कई स्थल पर केवल एक से दो इंच तक ही कांक्रीट किया है। सीमेंट की मात्रा में भी कमी की गई है जिसके चलते कांक्रीटिंग बेस एकदम कमजोर बना है। आलम यह कि गाय बैल के चलने मात्र से ही कांक्रीटिंग उखड़कर अंदर धस रहा है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह घटिया नहर निर्माण को अंजाम दिया गया है। बताते चलें कि बालुद पंचायत के किसानों के साथ यह कोई पहली बार नहीं है जो उन्हें सिंचाई नहर के नाम पर धोखा मिला है किसानों ने बताया कि भुपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में करोड़ों रूपए खर्च कर यहां पाइपलाइन का विस्तार किया गया था। पाइपलाइन तो बिछा दिया गया था लेकिन किसी किसान के खेत एवं घर में एक बूंद पानी भी नहीं पहुंच पाया था उस दौरान भी किसान छले गए थे अब फिर से नहर निर्माण के नाम पर धोखा किया जा रहा है। पंचायत के ग्रामीणों एवं किसानों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच करवाकर दोषी अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदार के विरूद्ध कड़ी कारवाई की मांग की है। किसानों की मांग है कि निर्माणाधीन घटिया नहर को तोड़कर फिर से उच्च गुणवत्ता वाले मानक के अनुरूप नहर का निर्माण करवाया जाए ताकि लंबे समय तक यहां के किसानों को इसका फायदा मिल सके।

> बीते दिनों भारी बारिश हुआ था जिसके चलते मिटटी धंसकने से केनाल टूटा है। नहर का काम अभी रनिंग में है। जिस जगह पर केनाल धंसा है वहां एक सीढीनुमा पक्का स्ट्रक्चर बनना है अभी जिससे कि बाढ़ का पानी रूके ना और आसानी से निकल सके। ये कहना कि नहर का काम पूर्ण हो गया है सही नहीं है अभी काम बचा हुआ है। ठेकेदार को फाईनल भुगतान भी नहीं हुआ है। कुछ ग्रामीणों के विरोध के चलते स्ट्रक्चर का काम उस वक्त नहीं हो पाया था। किसान निश्चिंत रहें। जो भी कमी होगी या टूट फूट हुआ है उसे ठीक करवा लिया जाएगा।
>
> (आर.के.वेक), कार्यपालन अभियंता
> जल संसाधन विभाग,दंतेवाड़ा

पूर्व माओवादीगढ़ पीड़िया में सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता,जंगल से 8 डंप बरामद

- **आईईडी बनाने का सामान, विस्फोटक समेत 69 प्रकार की सामग्री जब्त**

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 13 जुलाई। माओवादी हिंसा के खात्मे के बाद कभी माओवादियों के मजबूत गढ़ रहे पीड़िया क्षेत्र में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त सर्च अभियान के दौरान जंगल से माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए आठ डंप बरामद किए गए। इनमें बड़ी मात्रा में आईईडी बनाने का सामान, विस्फोटक और दैनिक उपयोग की सामग्री मिली है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई सीआरपीएफ की 85वीं वाहिनी, 202 कोबरा बटालियन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने पीड़िया-कुप्पागुड़ा क्षेत्र के अंड्री गांव स्थित पटेलपारा और सरपंचपारा के घने जंगलों में की। विश्वसनीय सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर चरणबद्ध तरीके से सर्च ऑपरेशन चलाया।

तलाशी के दौरान जमीन में छिपाकर रखे गए आठ डंप बरामद किए गए। इनमें आईईडी बनाने की सामग्री, विस्फोटक, बीजीएल सेल, डेटोनेटर, कार्डेक्स वायर, गन पाउडर, रेडियो सेट, चिकित्सा सामग्री, इलेक्ट्रिक उपकरण सहित माओवादियों के उपयोग की कुल 69 प्रकार की सामग्री जब्त की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद सामग्री से स्पष्ट है कि माओवादी भविष्य में हिंसक गतिविधियों के लिए इन संसाधनों का उपयोग करने की तैयारी में थे। समय रहते डंप बरामद होने से उनकी साजिश को बड़ा झटका लगा है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र में सर्च अभियान और तेज कर दिया है तथा आसपास के जंगलों में अन्य संभावित ठिकानों की भी तलाश की जा रही है।

निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों की रिहाई की मांग तेज,परिवारजन रायपुर रवाना

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 13 जुलाई। नक्सल मामलों में विभिन्न जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों की रिहाई की मांग को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में परिजन रायपुर के लिए रवाना हुए। यह प्रतिनिधिमंडल विधायक विक्रम मंडावी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा और नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेंगे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन के माध्यम से नक्सली समर्थित बताकर जेल बंद लोगों को बिना शर्त रिहाई की मांग करेगा, जो परिजनों के अनुसार निर्दोष हैं और वर्षों से नक्सल मामलों में जेलों में बंद हैं। परिजनों का कहना है कि लंबी न्यायिक प्रक्रिया के कारण परिवार आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल राज्य सरकार से मामलों की निष्पक्ष समीक्षा कर निर्दोष ग्रामीणों को शीघ्र न्याय दिलाने तथा उनकी रिहाई सुनिश्चित करने की मांग करेगा। इस दौरान परिजन अपनी समस्याओं और संबंधित मामलों की जानकारी भी शासन के समक्ष रखेंगे। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा और उनकी मांगों को सरकार के समक्ष गंभीरता से रखा जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ उचित निर्णय लेगा।

भैरमगढ़ महाविद्यालय में अतिरिक्त भवन निर्माण के लिए पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने किया भूमिपूजन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भैरमगढ़ बीजापुर 13 जुलाई। धुरवाराव माड़िया शासकीय महाविद्यालय, भैरमगढ़ में अतिरिक्त नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के पूर्व मंत्री महेश गागड़ा मुख्य रूप से शामिल हुए और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए भूमिपूजन किया। इस अवसर पर महेश गागड़ा ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। महाविद्यालय में बनने वाला अतिरिक्त भवन विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उच्च शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस निर्माण से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को भविष्य में अधिक सुविधाएं मिलेंगी। नवीन भवन निर्माण से क्षेत्र में उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष सोनल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष दशरी कोरसा, बलदेव उरसा, हरीश निषाद, जगत बघेल, नितेश पाण्डेय, दशरथ परबुलिया, जमुना सकनी, मनीषा कुंजाम सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पोटाम गणेश कमा रहे हैं पाम ऑयल और मूंगफली की खेती से 70 हजार का शुद्ध लाभ

बीजापुर, 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के भोपालपटनम विकासखंड के ग्राम रूद्रारम के आश्रित गांव कचनूर निवासी एवं जनपद पंचायत सदस्य पोटाम गणेश ने राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजना का लाभ लेकर उन्नत खेती का सफल मॉडल विकसित किया है। उन्होंने ऑयल पाम के साथ अंतरवर्तीय फसल के रूप में मूंगफली की खेती कर 70 हजार रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। मिली जानकारी के अनुसार पोटाम गणेश ने अपनी 2.20 हेक्टेयर भूमि में ऑयल पाम के पौधों का रोपण किया। पौधों के शुरुआती वर्षों में खाली भूमि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने मूंगफली की अंतरवर्तीय खेती की। इस खेती से उन्हें करीब 1 लाख रुपये का उत्पादन मूल्य प्राप्त हुआ, जबकि कुल लागत लगभग 30 हजार रुपये रही। इस तरह उन्हें 70 हजार रुपये की शुद्ध आय हुई। पोटाम गणेश ने बताया कि ऑयल पाम के पौधों के पूर्ण विकसित होने तक अंतरवर्तीय फसलों की खेती किसानों के लिए नियमित आय का बेहतर स्रोत है। इससे खेती की लागत निकालने में आसानी होती है और अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त होती है। उन्होंने अन्य किसानों से भी ऑयल पाम के साथ अंतरवर्तीय खेती अपनाने की अपील की। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजना के तहत किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

भैरमगढ़ जनपद के इंजीनियर पर कमीशनखोरी का आरोप

- **सरपंच बोले– फोनपे से ली गई रकम, जांच की मांग तेज**

भैरमगढ़/बीजापुर 13 जुलाई। भैरमगढ़ जनपद पंचायत में पदस्थ इंजीनियर राकेश गंधर्व पर निर्माण कार्यों के मूल्यांकन और भुगतान के नाम पर कथित रूप से कमीशन लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि विभिन्न निर्माण कार्यों के मूल्यांकन के एवज में 48 हजार और 50 हजार रुपये तक की राशि फोनपे के माध्यम से ली गई। मामला सार्वजनिक होने के बाद कई सरपंच और जनप्रतिनिधि अब जिला प्रशासन के समक्ष बयान दर्ज कराने और उपलब्ध साक्ष्य सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कथित अवैध वसूली का मामला मीडिया में आने के बाद संबंधित इंजीनियर ने अपने बचाव में सरपंचों और जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर अपने पक्ष में दस्तावेज तैयार कराने तथा कथित रूप से कोरे कागज पर ग्राम रानीबोदली के सरपंच पति से हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किए जाने का आरोप है।

सरपंच पति रैनु पुंगटी, रमेश मिच्छा तथा सरपंच पेठा दिगंबर तेलम ने आरोप लगाया कि विभिन्न निर्माण कार्यों से जुड़े लोगों से मिलाकर करीब दो लाख रुपये तक की कथित वसूली की गई। उनका कहना है कि निर्माण कार्यों के मूल्यांकन और भुगतान की प्रक्रिया में दबाव बनाकर कमीशन मांगा जाता था।

शिकायतकर्ताओं ने कहा कि वे शीघ्र ही जिला प्रशासन, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होकर अपना विस्तृत बयान दर्ज कराएंगे। साथ ही अपने पास उपलब्ध दस्तावेज, डिजिटल भुगतान संबंधी विवरण और अन्य साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंपेंगे। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इंजीनियर ने क्या कहा?

मामले में पक्ष जानने के लिए संबंधित इंजीनियर राकेश गंधर्व से संपर्क किया गया। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारी जवाब देंगे। जनपद पंचायत भैरमगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक तम्बोली ने बताया कि अभी तक केवल मीडिया में खबरें प्रकाशित हुई है। लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। यह जांच का विषय है, मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने ली भाजपा पार्षद दल की बैठक, नगर विकास और जनसमस्याओं पर हुई चर्चा

बीजापुर 13 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भाजपा कार्यालय अटल सदन, बीजापुर में रविवार को पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने नगर पालिका परिषद बीजापुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी पार्षदों की विशेष बैठक ली। बैठक में नगर के विकास कार्यों, आगामी योजनाओं तथा आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही नगरवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने और आगामी विकास योजनाओं के प्रभावी ि यान्वयन को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए विकास योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए तथा नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेकट, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान, मीडिया प्रभारी सल्ला प्रताप, सोशल मीडिया जिला संयोजक के जी सुधाकर, उसूर मंडल मंत्री एर्रन्ना अनमुल सहित नगर पालिका के पार्षद एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर

मुख्यमंत्री उत्कर्ष योजनांतर्गत चयनित विद्यार्थियों की काउंसिलिंग 14 जुलाई को

कांकेर, 13 जुलाई । मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए चयनित विद्यार्थियों की काउंसिलिंग 14 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कांकेर में जिला स्तरीय समिति द्वारा आयोजित की जाएगी। काउंसिलिंग में कक्षा 4थीं एवं 5वीं की अंकसूची, आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र तथा पालक की सहमति-पत्र के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा।गौरतलब है कि इस योजनांतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा गत 05 जुलाई को आयोजित की थी, जिसका परिणाम जारी होने के बाद दावा-आपत्ति भी आमंत्रित किया गया था। दावा-आपत्तियों के निराकरण पश्चात जिला स्तरीय अंतिम मेरिट सूची अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातिवार पृथक-पृथक जारी किया गया है, जिसे कांकेर जिले की वेबसाइट द्मड्डठ्ठद्मद्दद्धह्ल.द्दश्1.द्बठ्ठ तथा कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कांकेर तथा सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मंडल संयोजक कार्यालय एवं संबंधित आश्रम-छात्रावास अधीक्षक कार्यालय में देखा जा सकता है। काउंसिलिंग में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को पृथक से भी सूचना दी जा रही है।

शहीद एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास से किया जाएगा लाभान्वित

कांकेर, 13 जुलाई । कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले में संचालित सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय पर पूरा करने तथा शहीद परिवारों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया है। सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीएम पोर्टल में प्राप्त शिकायतों के अलावा सुशासन तिहार, बस्तर मुन्ने शिविरों के दौरान प्राप्त आवेदनों सहित विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई। उनके द्वारा सभी शिकायतों को गुणवत्ता के साथ निराकरण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।बैठक में उन्होंने अटल डिजिटल सुविधा केंद्र, आंगनबाड़ी भवन, उचित मूल्य सह गोदाम भवन, प्रधानमंत्री आवास, किसानों का एग्रीस्टेक में पंजीयन, मुख्यमंत्री घोषणा मद अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्य, आयुष्मान भारत अंतर्गत पंजीयन इत्यादि कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर कांकेर श्री जितेन्द्र कुर्रे, अपर कलेक्टर अंतागढ़ श्री ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद रहे।

समय पर पहचान, समय पर उपचार कर चिरायु टीम ने 10 वर्षीय त्रिशांत को दिया नया जीवन

धमतरी, 13 जुलाई। धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम सिंधौरीखुर्द निवासी 10 वर्षीय छात्र त्रिशांत यादव आज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है। कुछ समय पहले तक उसके परिजन यह भी नहीं जानते थे कि वह जन्मजात हृदय रो से पीड़ित है। यदि समय रहते इस बीमारी की पहचान नहीं हो पाती, तो भविष्य में यह उसके जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन सकती थी। लेकिन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत कार्यरत चिरायु टीम कुरूद की सतर्कता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ने एक मासूम को नया जीवन प्रदान किया।विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के दौरान चिरायु टीम ने ग्राम सिंधौरीखुर्द के विद्यालय में अध्ययनरत त्रिशांत का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के दौरान चिकित्सकों को उसके हृदय संबंधी समस्या की आशंका हुई। टीम ने गंभीरता को समझते हुए तत्काल परिजनों को आवश्यक परामर्श दिया और उनकी सहमति से बच्चे को जिला अस्पताल धमतरी में विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास विस्तृत जांच के लिए भेजा। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि त्रिशांत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित है और उसे शीघ्र उपचार की आवश्यकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में चिरायु टीम ने बिना किसी विलंब के बच्चे का समन्वित रेफरल सुनिश्चित किया। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर उसे रायपुर स्थित एमएमआई हॉस्पिटल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्णतः निःशुल्क उपचार के लिए भर्ती कराया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा 8 जुलाई 2026 को त्रिशांत का हृदय ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया।ऑपरेशन के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ। उपचार अवधि के दौरान चिरायु टीम लगातार अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों के संपर्क में रही।

एक जुलाई से चल रही प्रक्रिया का हुआ समापन, बच्चों ने उत्साह के साथ किया मताधिकार का प्रयोग

बच्चों ने गुप्त मतदान से चुनी अपनी सरकार,लोकतंत्र का व्यावहारिक पाठ पढ़ा रहे विद्यालय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 13 जुलाई। विकासखंड रायगढ़ के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में बच्चों को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से व्यावहारिक रूप से परिचित कराने के उद्देश्य से एक जुलाई से संचालित बाल संसद गठन प्रक्रिया का शनिवार को गुप्त मतदान के साथ सफल समापन हुआ। विद्यालयों में लोकतंत्र का उत्सव देखने को मिला, जहाँ विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रधानमंत्री सहित पाँच प्रमुख पदों के लिए अपने प्रतिनिधियों का चयन किया।

बाल संसद के गठन के लिए प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री, पर्यावरण एवं संस्कृति मंत्री तथा खेल मंत्री के पदों पर

मतदान कराया गया। चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह लोकतांत्रिक स्वरूप देने के लिए प्रत्याशियों को पुस्तक, कलम, डस्टर, थर्मस सहित विभिन्न चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। मतदान से पूर्व प्रत्याशियों ने अपने घोषणा-पत्र प्रस्तुत करते हुए विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे संकल्प विद्यार्थियों के समक्ष रखे। मतदान के दौरान विद्यालयों में वास्तविक चुनाव जैसा वातावरण देखने को मिला। प्रधान पाठक एवं शिक्षक निर्वाचन आयोग की भूमिका निभाते हुए पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराते रहे। चुनाव की पारदर्शिता और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए संकुल शैक्षणिक समन्वयक तथा संकुल प्राचार्य भी विभिन्न विद्यालयों में उपस्थित रहकर सतत निगरानी करते रहे।विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय पटेल ने कहा कि बाल संसद केवल प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व, संवाद कौशल तथा सामूहिक निर्णय लेने की समझ विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस पूरी प्रक्रिया के माध्यम से बच्चों ने लोकतंत्र को केवल पुस्तकों में पढ़ा ही नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में भी आत्मसात किया। बीआरसीसी मनोज अग्रवाल ने बाल संसद चुनाव के सफल आयोजन पर सभी प्रधान पाठकों, शिक्षकों, संकुल शैक्षणिक समन्वयकों एवं संकुल प्राचार्यों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को जिम्मेदार, जागरूक और सक्रिय नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि बाल संसद बच्चों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति विश्वास और सहभागिता की भावना भी मजबूत करती है।

मरम्मत

रायपुर, 13 जुलाई। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 क्षेत्र के अंतर्गत राजधानी शहर रायपुर शहर में जयस्तम्भ चौक के समीप नाले के खुले चेम्बर के सम्बन्ध में जनशिकायत मिलते ही उसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 की टीम ने नाले के चेम्बर को तत्काल आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य करवाते हुए ढक्कन लगाकर कव्हर किया एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया।

खाता में शामिल सभी खसरों का एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य, तभी बेच सकेंगे धान

मोहला 13 जुलाई । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर एग्रीस्टेक पंजीयन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी, राजस्व निरीक्षक, डीडीए, एडीए, एसएडीओ,आरएईओ सहित दोनों विभागों के जिला एवं मैदानी अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार खाता में शामिल सभी खसरों का एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना एग्रीस्टेक पंजीयन के किसान धान का विक्रय नहीं कर सकेंगे। अधिकारियों को पंजीयन कार्य में तेजी लाने, किसानों को जागरूक एवं प्रेरित करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों से आधार अपडेट कराने एवं नया मोबाइल नंबर आधार से लिंक कराने कहा, ताकि पंजीयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिले के किसानों से अपील की है।

भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के 5 लाख से अधिक हितग्राहियों को भाजपा सरकार ने किया अपात्र: विनोद चंद्राकर

महासमुंद,13 जुलाई। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने भाजपा की साय सरकार द्वारा भूमिहीन कृषि मजदूर योजना में किए जा रहे छटनी कार्रवाई को गरीब भूमिहीनों के साथ अन्याय व उनके हक पर कुठाराघात बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने प्रदेश के गरीब, भूमिहीन परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने के उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की थी। उस समय 10 लाख से अधिक परिवारों को हर साल सीधी आर्थिक सहायता मिल रही थी। यह योजना केवल सहायता नहीं थी, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए आत्मसम्मान और आर्थिक संबल का प्रतीक बन चुकी थी। जिसे, सत्ता में आते ही भाजपा की साय सरकार ने सबसे पहले इस योजना का नाम बदलकर अपनी पीठ थपथपाने

का काम किया। नाम बदलने के साथ ही सरकार ने सत्यापन और तकनीकी नियमों का हवाला देकर प्रदेश भर में लाखों पात्र परिवारों को अपात्र घोषित कर दिया। अकेले महासमुंद जिले में लगभग ×000 ऐसे भूमिहीन परिवार हैं जो पहले से पात्र थे, जिनकी रोजी-रोटी पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है, लेकिन आज उन्हें इस योजना के लाभ से पूरी तरह वंचित कर दिया गया है। पूरे प्रदेश में 5 लाख से अधिक गरीब परिवारों को इसी तरह बाहर कर दिया गया है। चंद्राकर ने कहा कि आज स्थिति यह है कि साय सरकार आधे से भी कम हितग्राहियों को समय पर और सही तरीके से लाभ नहीं दे पा रही है। जिन लोगों को 10 हजार रु की राशि मिलनी थी, उनके खाते खाली पड़े हैं। सरकार के पास बड़े उद्योगपतियों को लाखों करोड़ का अनुदान देने के लिए खजाना भरा हुआ है, लेकिन गरीब मजदूर को साल भर में मिलने वाली मामूली सहायता देने में सरकार की नीयत और नीति दोनों फेल हो गई हैं। यह सीधे-सीधे गरीब विरोधी सोच का प्रमाण है।पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार यह भूल रही है कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी मेहनतकशों की मिट्टी है। भूमिहीन परिवारों की गाढ़ी कमाई से ही प्रदेश का पेट भरता है। ऐसे में उनके हक को छीनकर सरकार न केवल अन्याय कर रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ को भी तोड़ रही है। महासमुंद जिले के हजारों परिवार आज इस कारण निराश हैं क्योंकि उनके पास न जमीन है और न ही सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता। उन्होंने मांग की है कि सरकार तत्काल सभी अपात्र घोषित किए गए पात्र परिवारों की सूची का पुनः सत्यापन करे, कटे हुए सभी नामों को पुनः जोड़े और बकाया राशि एकमुश्त खातों में डाले। साथ ही योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाकर पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को विश्वास में लिया जाए। उन्होंने अंत में कहा कि गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाली इस सरकार को छत्तीसगढ़ की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

सेवा सेतु ने बनाई सरकारी सेवाएं सरल सागर को घर बैठे मिला निवास प्रमाणपत्र

धमतरी, 13 जुलाई । शासन की डिजिटल सेवा पहल सेवा सेतु - जनता के द्वार, डिजिटल सरकार नागरिकों को पारदर्शी, त्वरित और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी माध्यम बन रही है। अब विभिन्न शासकीय प्रमाण पत्रों एवं सेवाओं के लिए नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल दस्तावेज सत्यापन तथा समयबद्ध सेवा प्रदाय से लोगों का जीवन अधिक सरल और सुविधाजनक हुआ है।

धमतरी जिले के कुरूद तहसील के निवासी श्री सागर भी इस डिजिटल परिवर्तन का लाभ प्राप्त करने वाले नागरिकों में शामिल हैं। उन्हें एक आवश्यक शासकीय कार्य के लिए निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। पहले इस प्रकार का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालय में कई बार जाना पड़ता था। आवेदन जमा करने, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया में समय और श्रम दोनों अधिक लगते थे। कई बार लंबी कतारों में प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जिससे दैनिक कार्य भी प्रभावित होते थे।

सेवा सेतु पोर्टल के बारे में जानकारी मिलने के बाद सागर ने स्वयं ऑनलाइन आवेदन करने का निर्णय लिया। उन्होंने पोर्टल पर आवश्यक जानकारी दर्ज कर संबंधित दस्तावेज अपलोड किए। आवेदन प्राप्त होते ही विभाग द्वारा दस्तावेजों का डिजिटल सत्यापन किया गया। निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उनका आवेदन स्वीकृत हुआ तथा डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त निवास प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने प्रमाण पत्र डाउनलोड कर उसकी प्रति प्रिंट की और आवश्यक शासकीय कार्य में उसका सफलतापूर्वक उपयोग किया।सागर बताते हैं कि सेवा सेतु के माध्यम से पूरी प्रक्रिया अत्यंत सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक रही।

नवपदस्थ कलेक्टर ने संभाला कार्यभार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 13 जुलाई। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री विजय दयाराम के ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2015 बैच के अधिकारी श्री विजय दयाराम के ने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए रविवार के शासकीय अवकाश के दिन ही पदभार संभालकर अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया।कलेक्ट्रेट पहुंचने पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे सहित जिला अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर श्री रावटे ने जिले की विशिष्ट पहचान एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा उत्पादित प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री दिलेराम डाहिरे, एसडीएम पेंड्रारोड श्री अमित बेग, जिला कोषालय अधिकारी श्री धर्मेंद्र सोनी सहित अन्य अधिकारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर नवपदस्थ कलेक्टर का स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि श्री विजय दयाराम के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के आठवें कलेक्टर हैं। उनसे पूर्व श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, श्री डोमन सिंह, सुश्री नम्रता गांधी, सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, श्रीमती लीना कमलेश मंडावी एवं डॉ. संतोष कुमार देवांगन जिले के कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं।

समाचार संक्षेप

संस्था ने अंगदान संकल्प लेने वाली मातृ शक्तियों का किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 जुलाई। सर्वधर्म सेवा संस्था द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन कर समाज में मानवता, सेवा और अंगदान के प्रति जागरूकता का प्रेरणादायी संदेश दिया गया। इस अवसर पर साधना मौर्य, वैशाली कालमेघ एवं किरण प्रभा मन्ने को महादान अंगदान का संकल्प लेने पर संस्था की ओर से पुष्पहार, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि अंगदान जीवन के बाद भी मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। इन तीनों मातृशक्तियों का यह संकल्प समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और निश्चित रूप से अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए आगे आने की प्रेरणा देगा। किरण प्रभा मन्ने ने जरूरतमंद मरीजों की सुविधा के लिए एक नई व्हीलचेयर सर्वधर्म सेवा संस्था को भेंट की।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार मिला

भिलाई, 13 जुलाई। बीएसपी के यातायात एवं डीज़ल विभाग में 10 जुलाई को विभागीय सभागार में कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सुरक्षा मानकों के पालन, उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 12 कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एवं महाप्रबंधक प्रभारी गोपीनाथ मलिक ने चयनित कार्मिकों को स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र तथा उनके जीवन साथियों के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यातायात एवं डीज़ल विभाग संयंत्र के परिचालन की महत्वपूर्ण कड़ी है, जहां चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सुरक्षा एवं अनुशासित कार्यप्रणाली सर्वोच्च प्राथमिकता रहती है। इस अवसर पर रतन कुमार त्रिपाठी, जरनैल सिंह, अजीत कुमार मंडल, राकेश कुमार सिंह, रविन्द्र चंद्राकर, पीलू राम वर्मा, नवनीत जॉन, उदय सिंह, दिलीप कुमार साहू, दुर्योधन सिंह, हेमचंद घृतलहरे एवं नारायण सिंह पैकरा को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में टी एंड डी विभाग के महाप्रबंधक मनोज प्रसाद, उप महाप्रबंधक बी. डी. टुडू, सहायक महाप्रबंधक योगेश ठाकुर, एस. के. साहू, मोहम्मद ए. आर. शरीफ तथा वरिष्ठ प्रबंधक श्रीधर नाग सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्वागत एवं संचालन सहायक प्रबंधक डॉ. उपेंद्र कुमार शर्मा ने किया। आयोजन में अफज़ल खान, सोमा रानी, सुश्री लक्ष्मी दौलतानी एवं सुश्री प्रिया ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन समारोह आयोजित

भिलाई, 13 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में कक्षा 9 एवं 11 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक वातावरण और उपलब्धियों से परिचित कराना था। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे ने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं का विकास करने, लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने तथा शिक्षकों से अधिकाधिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों का विद्यालय परिवार में स्वागत करते हुए उवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्राचार्य विजय सिंह पवार ने विद्यालय की उपलब्धियों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में कक्षा 9 एवं 11 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले नवप्रवेशी विद्यार्थियों राजवीर कोल, अयान शेख, सृष्टि एवं यश केसरी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

30 पौवा शराब सहित युवक गिरफ्तार

भिलाई, 13 जुलाई। बरगद के पेड़ के नीचे अवैध रूप से शराब बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा पूछताछ में उसने अपना नाम संतोष पारधी बताया आरोपी के कब्जे से 30 पौवा देशी मसाला शराब बरामद किया गया आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई एक अन्य घटना में दो व्यक्तियों को पुलिस ने बाइक सीजी 07 सीजी-3276 में शराब का अवैध परिवहन करते पकड़ा पूछताछ में उनकी पहचान हरिश बघेल एवं नीरज बेहरा के रूप में हुई आरोपियों के कब्जे से 39 पौवा देशी मसाला शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल जब्त की गई आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से दिव्यांग गणेश राम यादव को 24 घंटे में मिली ट्राइसाइकिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 13 जुलाई । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, संवेदनशीलता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की कार्यसंस्कृति एक बार फिर धरातल पर देखने को मिली। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम कमोसिनडांड निवासी जन्म से दिव्यांग गणेश राम यादव के संघर्षपूर्ण जीवन को लेकर प्रकाशित एक मार्मिक समाचार पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को बिना किसी विलंब के शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग ने अभूतपूर्व तत्परता दिखाते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर गणेश राम यादव के लिए ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी। यह पूरी प्रक्रिया रविवार के शासकीय अवकाश के दिन भी पूरी की गई, जो राज्य सरकार की संवेदनशील और जवाबदेह कार्यप्रणाली का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश मिलते ही समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। विभागीय अधिकारियों की टीम जनपद पंचायत

धरमजयगढ़ पहुंची और वहां से ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की गई। प्रशासनिक दल गणेश राम यादव के घर भी पहुंचा, जहां उनके परिवार के सदस्यों, उनकी भाभी तथा वार्ड पंच से चर्चा की गई। उस समय गणेश राम यादव घर पर मौजूद नहीं थे, इसलिए उनके बड़े भाई विचित्र यादव को ट्राइसाइकिल सौंपते हुए यह जानकारी दी गई कि गणेश राम के घर लौटते ही उन्हें यह ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी जाए।

उल्लेखनीय है कि धरमजयगढ़ क्षेत्र से हाल ही में गणेश राम यादव की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वे हाथों के सहारे चलकर अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते दिखाई दे रहे थे। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वे वर्षों से ट्राइसाइकिल जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में निवास करने के कारण उन्हें आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए और प्रशासन ने भी संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्या का समाधान सुनिश्चित किया।ट्राइसाइकिल प्राप्त होने के बाद गणेश राम यादव के बड़े भाई विचित्र यादव के चेहरे पर राहत और संतोष स्पष्ट दिखाई दिया। भावुक माहौल में उन्होंने प्रशासन और शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उसने कहा कि अब तक गणेश राम यादव को छोटी-सी दूरी तय करने के लिए भी हाथों के सहारे सड़क और पगडंडियों पर चलना पड़ता था, जिससे उन्हें शारीरिक कष्ट के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन जीने में भी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब ट्राइसाइकिल मिलने से उनके जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आएगा। वे अधिक सहजता से आवागमन कर सकेंगे, अपने दैनिक कार्य स्वयं कर पाएंगे तथा स्वास्थ्य केंद्र, बैंक, पंचायत और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहले की तुलना में कहीं अधिक आसानी से पहुंच सकेंगे। इससे उनके आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सहभागिता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।गणेश राम यादव की भाभी श्रीमती चंद्रवती ने बताया कि उनके पति विचित्र यादव और देवर गणेश राम यादव दोनों जन्म से दिव्यांग हैं तथा वे स्वयं भी दिव्यांग हैं। दोनों भाइयों को प्रतिमाह दिव्यांग पेंशन प्राप्त होती है। परिवार को महतारी वंदन योजना का लाभ भी मिल रहा है। इसके साथ ही राशन कार्ड के माध्यम से नियमित रूप से खाद्यान्न भी उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि ट्राइसाइकिल मिलने से गणेश राम के जीवन में बड़ी राहत आएगी और उनका दैनिक जीवन पहले की अपेक्षा काफी आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर महज 24 घंटे के भीतर सहायता उपलब्ध होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में राज्य सरकार की संवेदनशील, जनकेंद्रित और जवाबदेह सुशासन व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में जिस तत्परता से शासन और प्रशासन ने कार्य किया जा रहा है।

एक नजर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तहसील कार्यालय के नवनिर्मित भवन का किया लोकार्पण

रायपुर, 13 जुलाई। **उप मुख्यमंत्री तथा कांकेर** जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने अपने कांकेर प्रवास के दौरान सरोना में नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर परिसर में पौधारोपण भी किया। सांसद श्री भोजराज नाग और विधायक श्री आशाराम नेताम भी इस दौरान उपस्थित थे। लोक निर्माण विभाग द्वारा 63 लाख 81 हजार रुपए की लागत से तहसील कार्यालय के नए भवन का निर्माण किया गया है। इस सर्वसुविधायुक्त भवन में 10 कक्ष हैं जहां विभिन्न शाखाओं का संचालन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, कांकेर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, नगर पालिका के अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक और जिला पंचायत के सी.ई.ओ. श्री हरेश मण्डावी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी लोकार्पण कार्यक्रम में मौजूद थे।

आईएमए और प्रशासन की जुगलबंदी से संवर रहा 30 बच्चों का बचपन

रायपुर, 13 जुलाई। छत्तीसगढ़ में कुपोषण मुक्ति का संकल्प अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की संयुक्त पहल ने सारंगढ़ विकासखंड में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। हाल ही में आयोजित एक विशेष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से न केवल 30 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, बल्कि उनके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक की जिम्मेदारी भी उठाई गई है। यह कहानी शासकीय संकल्प और सामाजिक सहभागिता के उस बेहतरीन समन्वय की है, जो राज्य के लिए एक मिसाल बन रही है।

निधन

सत्य प्रकाश पैकरा

बलौदाबाजार 13 जुलाई। 12 जुलाई की रात्रि में रक्षित केंद्र बलौदाबाजार में पदस्थ प्रधान आरक्षक 969 सत्य प्रकाश पैकरा का अचानक से तबीयत खराब होने से इलाज के दौरान देहांत हो गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा संपूर्ण पुलिस परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

सिमगा सतनाम भवन में रंगमंच का भूमिपूजन संपन्न, विधायक इन्द्र साव ने प्रसाधन निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की घोषणा की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 13 जुलाई। सिमगा परिक्षेत्र सतनामी समाज द्वारा सतनाम भवन परिसर में रंगमंच निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री इन्द्र साव रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित परिक्षेत्र अध्यक्ष श्री शत्रुघ्न मार्कंडेय ने की। विधायक श्री इन्द्र साव के सिमगा आगमन पर श्री शत्रुघ्न मार्कंडेय के नेतृत्व में सतनामी समाज के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने आतिशबाजी, फूलमालाओं एवं जयकारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक श्री साव द्वारा जोड़ा जैतखंभ में नारियल अर्पित कर एवं

गुरु गद्दी की पूजा-अर्चना से हुई।

अपने संबोधन में विधायक श्री इन्द्र साव ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री शत्रुघ्न मार्कंडेय एवं उनकी पूरी कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि सतनामी समाज ने लोकतांत्रिक परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी ने सत्य, समानता, भाईचारे और मानवता का जो संदेश दिया, वही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे बड़ा मार्ग है। यदि हम उनके बताए सतनाम के मार्ग पर चलेंगे तो समाज निरंतर प्रगति करेगा और सामाजिक समरसता मजबूत होगी।

विधायक श्री साव ने कहा कि उन्हें विधायक बनाने में सतनामी समाज के सहयोग, विश्वास और आशीर्वाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसे वे जीवनभर नहीं भूलेंगे। उन्होंने पूर्व अध्यक्ष श्री जगमोहन मार्कंडेय की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सेवा के प्रति उनकी निष्ठा अनुकरणीय है। समाज की हर छोटी-बड़ी समस्या को लेकर वे जनप्रतिनिधियों तक लगातार पहुंचते रहे हैं। उन्होंने बताया कि सतनाम भवन में रंगमंच निर्माण की मांग भी श्री जगमोहन मार्कंडेय द्वारा भाटापारा पहुंचकर उन्हें ज्ञापन सौंपकर की गई थी। आज इस मांग के अनुरूप रंगमंच का भूमिपूजन होना पूरे समाज के लिए गौरव और खुशी का विषय है। उन्होंने समाज को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने अपने संबोधन में सतनामी समाज को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से युवा नेतृत्व चुनने के लिए बधाई देते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति में युवाओं की ऊर्जा और बुजुर्गों के अनुभव का समान महत्व होता है। दोनों के समन्वय से ही समाज नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के सत्य, समानता और मानवता के सिद्धांतों को अपनाकर समाज निश्चित रूप से नई दिशा और नई पहचान प्राप्त करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री शत्रुघ्न मार्कंडेय ने सतनाम भवन में प्रशाधन (शौचालय) निर्माण की मांग विधायक श्री इन्द्र साव के समक्ष रखी। इस पर विधायक श्री साव ने तत्काल 5 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की।

सिद्धखोल जलप्रपात में ईको-टूरिज्म प्रबंधन से स्थानीय ग्रामीणों को मिल रहा है रोजगार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,13 जुलाई। जिले का प्रसिद्ध सिद्धखोल जलप्रपात इन दिनों पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। वन विभाग के मार्गदर्शन में स्थानीय संयुक्त वन प्रबंधन समिति कुकरीकोना द्वारा यहां संचालित किए जा रहे ईको-टूरिज्म प्रबंधन ने न केवल वनों और पर्यावरण के संरक्षण की एक नई मिसाल पेश की है, बल्कि स्थानीय आदिवासी व ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका का एक सशक्त माध्यम भी बनकर उभरा है।

स्थानीय समिति के युवाओं को मिल रहा रोजगार-

कुकरीकोना समिति द्वारा स्थानीय ग्रामीण युवाओं को जोड़कर एक 'पर्यटन समूह' का गठन किया गया है। ये प्रशिक्षित युवा जलप्रपात क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों का मार्गदर्शन करते हैं तथा मानसून के दौरान जलप्रपात के समीप चिन्हित संवेदनशील एवं खतरनाक स्थलों पर मुस्तैद रहकर सैलानियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए समिति के

काउंटर पर प्राथमिक चिकित्सा किट की भी पुख्ता व्यवस्था की गई है।

प्लास्टिक मुक्त' और ईको-फ्रेंडली पर्यटन प्रतिमान

सिद्धखोल के संवेदनशील वनक्षेत्र को पूरी तरह स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त बनाए रखने के लिए कुकरीकोना समिति द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। प्रवेश द्वार पर पानी की प्लास्टिक बोतलों के लिए ?50 का रिफंडेबल चार्ज लिया जाएगा, जिसे पर्यटकों द्वारा बोतल सुरक्षित वापस लाने पर तुरंत लौटा दिया जाएगा। पूरे परिसर में स्थानीय बांस से बने कूड़ेदान स्थापित करने का निर्णय लिया गया हैं। साथ ही, समिति की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा पर्यटकों को रियायती दरों पर जूट,कपड़े के थैले और दोना-पत्तल उपलब्ध कराए जाएँगे ।प्रत्येक सोमवार को वन अमले और समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से पूरे पर्यटन मार्ग में स्वच्छता श्रमदान चलाकर संपूर्ण कचरे का सुरक्षित निपटान किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा हेतु शुल्क प्रणाली का सरलीकरण- समिति द्वारा पर्यटकों को सुगम और किफायती अनुभव देने के लिए प्रवेश शुल्क प्रणाली में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। पूर्व में ली जाने वाली ?20 (दोपहिया) एवं ?30 (चार पहिया) वाहन-आधारित पृथक पार्किंग फीस को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है। अब इसके स्थान पर केवल ?10 प्रति व्यक्ति का एकल प्रवेश शुल्क लागू किया गया है।

आजीविका संवर्धन और स्थानीय रोजगार

ईको-टूरिज्म के इस सफल मॉडल से कुकरीकोना गाँव के दर्जनों परिवारों को सीधे तौर पर रोजगार मिला है। इको पर्यटन से समिति के लाभांश और ग्रामीणों की दैनिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे ग्रामीणों का वनों के प्रति जुड़ाव और बढ़ा है।

बचेली में साप्ताहिक सब्जी बाजार हुआ व्यवस्थित, बैरिकेडिंग और मार्किंग से बदल गई है तस्वीर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 13 जुलाई। नगर पालिका द्वारा एनएमडीसी टाउनशिप क्षेत्र स्थित साप्ताहिक सब्जी बाजार को व्यवस्थित करने की पहल शुरू की गई है। अव्यवस्थित तरीके से लगने वाले बाजार को अब निर्धारित व्यवस्था के तहत संचालित करने की तैयारी की जा रही है। नगर पालिका द्वारा बाजार क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित किया गया। इसके साथ ही दुकानों के लिए लाइन खींचकर मार्किंग की गई है। दुकानदारों को निर्धारित स्थान के अंदर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए गए हैं। व्यवस्था बनाने के दौरान पुलिस बल और नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। नगर पालिका का उद्देश्य बाजार में भीड़भाड़ और यातायात बाधित होने की समस्या को कम करना है, ताकि आम लोगों को खरीदारी में सुविधा मिल सके। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार क्षेत्र में पहले की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित स्थिति देखने को मिली। नगर पालिका द्वारा आगे भी बाजार व्यवस्था की निगरानी जारी रखने की बात कही गई है।

नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था ही सुशासन की वास्तविक पहचान है: मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रशासनिक सुधारों और डिजिटल सुशासन के क्षेत्र में एक नए परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है। प्रदेश में शासन की पारंपरिक कार्यप्रणाली को बदलते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिसमें नागरिक सुविधाओं का केंद्र हो, प्रक्रियाएं सरल हों, निर्णय समयबद्ध हों और शासन अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा तकनीक-सक्षम बने। सरकार द्वारा अब तक लागू किए गए 435 प्रशासनिक सुधार केवल कार्यालयीन प्रक्रियाओं के सरलीकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्होंने शासन की कार्य संस्कृति में व्यापक बदलाव लाते हुए आम नागरिक, किसान, उद्यमी, निवेशक और युवाओं तक सरकारी सेवाओं की पहुंच को अधिक सहज, पारदर्शी और प्रभावी बनाया है। यही कारण है कि आज छत्तीसगढ़ डिजिटल गवर्नेंस, सेवा वितरण और प्रशासनिक नवाचार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में तेजी से अपनी पहचान स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन को केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि शासन की मूल कार्यशैली बनाया है। भूमि प्रबंधन से लेकर राजस्व प्रशासन, शिकायत निवारण से लेकर ऑनलाइन नागरिक सेवाओं तक, औद्योगिक निवेश से लेकर पंजीयन व्यवस्था तक और डिजिटल कृषि से लेकर ई-गवर्नेंस तक अनेक क्षेत्रों में व्यापक सुधार लागू किए गए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिकों का समय, श्रम और आर्थिक संसाधनों की बचत करना, सरकारी प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाना तथा तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच विश्वास को और अधिक मजबूत करना है। यही सोच आज विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की मजबूत आधारशिला बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का स्पष्ट उद्देश्य ऐसा प्रशासन विकसित करना है, जिसमें नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें, सेवाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध हों और शासन की प्रत्येक प्रक्रिया पारदर्शी एवं जवाबदेह बने। डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल सुविधा बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। प्रशासनिक सुधारों की पूरी प्रक्रिया इसी सोच के साथ आगे बढ़ रही है कि शासन नागरिकों के और अधिक निकट पहुंचे तथा प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक और बिना किसी अनावश्यक बाधा के सरकारी सेवाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक सुधारों का दायरा केवल ई-गवर्नेंस तक सीमित नहीं है।

रजिस्ट्री में 50 फीसदी की छूट से संपत्ति में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

रायपुर, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और संपत्ति स्वामित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट की पहल के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। विभाग द्वारा 06 मई 2026 से 30 जून 2026 की अवधि का पिछले वर्ष की समान अवधि से तुलनात्मक विश्लेषण करने पर पाया गया कि वर्ष 2025 में महिलाओं के पक्ष में पंजीकृत विक्रय विलेखों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई है। इसी अवधि में महिलाओं के नाम पंजीकृत दस्तावेजों की संख्या 14,668 से बढ़कर 21,292 हो गई, जो लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। राज्य के लगभग 75 प्रतिशत जिलों में महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में 20 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। जांजगीर-चांपा, बलोद, कोरिया, रायपुर तथा कांकेर सहित अनेक जिलों में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली है। महिलाओं को प्रदान की गई पंजीयन शुल्क में छूट के परिणामस्वरूप इस अवधि में नागरिकों को लगभग 50.14 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ है। इससे न केवल महिलाओं के नाम पर संपत्ति स्वामित्व को बढ़ावा मिला है, बल्कि परिवारों को भी आर्थिक राहत मिली है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन को प्रोत्साहित करने के लिए पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट का निर्णय इसी सोच का परिणाम है। संपत्ति पर महिलाओं का स्वामित्व उन्हें आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ परिवार और समाज में अधिक सम्मान एवं निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से बड़ी संख्या में परिवार लाभान्वित हुए हैं और महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हमारी सरकार ऐसी नीतियों को लगातार बढ़ावा दे रही है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकास यात्रा की समान भागीदार बनाएं। वित्त एवं वाणिज्यिक कर (पंजीयन) मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में हुई यह उल्लेखनीय वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का संकेत है। जब किसी महिला के नाम संपत्ति होती है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, परिवार में उसकी निर्णयात्मक भूमिका सुदृढ़ होती है और आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को विकास प्रक्रिया के केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट का उद्देश्य केवल आर्थिक राहत देना नहीं, बल्कि महिलाओं को संपत्ति स्वामित्व से जोड़कर उन्हें वास्तविक अर्थों में सशक्त बनाना है। प्रारंभिक परिणाम बताते हैं कि यह पहल अपने उद्देश्य की दिशा में प्रभावी सिद्ध हो रही है।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी एवं समावेशी पंजीयन व्यवस्था के निर्माण के लिए निरंतर सुधार कर रही है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग द्वारा किए जा रहे सुधारों एवं प्रोत्साहनात्मक उपायों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना तथा शासन की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है।

छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास को मिल रही अभूतपूर्व गति : मुख्यमंत्री

रायपुर, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास के जनदर्शन हॉल में आयोजित भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संघ का नवगठित राज्य बोर्ड आदिवासी समाज के उत्थान, उनके अधिकारों की रक्षा तथा सामाजिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम में भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के अध्यक्ष श्री प्रकाश कुमार उइके, श्रीमती कौशल्या साय, श्री राजेश मालवीय, श्री कुंवर जितेंद्र नरसिंह राणा सहित संघ के सदस्यगण एवं विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है,

जहां विशेष पिछड़ी जनजातियों सहित अनेक जनजातीय समुदाय अपनी समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ निवास करते हैं। ऐसे राज्य में भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड का गठन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संघ का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है और यह संस्था लंबे समय से देशभर में आदिवासी समाज के कल्याण एवं उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय आदिम जाति सेवक संघ की ऐतिहासिक भूमिका का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसके प्रथम अध्यक्ष रहे, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई ने भी इस प्रतिष्ठित संस्था का नेतृत्व किया। उन्होंने नवनियुक्त राज्य बोर्ड के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए संघ के पदाधिकारियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। आज बस्तर क्षेत्र विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, संचार और अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। पर्यटन के क्षेत्र में भी बस्तर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

एमसीबी का ग्राम बरदर बना प्रकृति संरक्षण का रोल मॉडल

रायपुर,13 जुलाई। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरदर प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका का एक उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। राज्य शासन के महत्वाकांक्षी फ्मोर गांव मोर पानीफ्र महा अभियान के तहत यहां 52 एकड़ क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, जल सुरक्षा और आजीविका संवर्धन को एक साथ जोड़ते हुए ऐसा समग्र विकास मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो आने वाले समय में जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय उदाहरण बनेगा। इस पहल के अंतर्गत 30 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न वैज्ञानिक जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिससे प्रत्येक वर्ष करोड़ों लीटर वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी। वहीं शेष 22 एकड़ क्षेत्र में दो हजार से अधिक उन्नत फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर फलोद्यान विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलने के साथ दर्जनों महिला स्व-सहायता समूहों को स्थायी रोजगार एवं नियमित आय का अवसर प्राप्त होगा। ग्राम बरदर में जल संरक्षण को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकसित किया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा समाज को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम : सीएम साय

रायपुर, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज द्वारा वाचन की जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया तथा श्रीमद्भागवत जी का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ आरती-वंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भगवद्नाम के महत्व पर आधारित प्रसंग का एकाग्र भाव से श्रवण किया तथा कहा कि आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में ऐसी धार्मिक कथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। यह प्रभु श्री राम का ननिहाल तथा माता कौशल्या का मायका है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश

समय छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर व्यतीत किया, जिसके कारण राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान और अधिक गौरवशाली बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरीनारायण माता शबरी की तपोभूमि है, जहां प्रभु श्रीराम और माता शबरी के दिव्य मिलन की स्मृतियां आज भी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करती हैं। उन्होंने कहा कि राजिम स्थित पवित्र त्रिवेणी संगम पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजिम कुंभ देश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। इस भव्य आयोजन में देशभर से साधु-संतों, श्रद्धालुओं और धर्माचार्यों का आगमन होता है, जिससे छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव को नई पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए विभिन्न धार्मिक योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 50 हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के बुजुर्ग देश के विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों के संरक्षण, संवर्धन और समग्र विकास के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक समरसता, धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते महिलाओं के कदम

रायपुर, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना की 29वीं किस्त जारी होने के साथ ही जिले की हजारों महिलाओं की तरह जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत ऊँचडीह की निवासी श्रीमती हेमा सारथी के खाते में भी एक हजार रुपये की सहायता राशि अंतरित की गई। श्रीमती हेमा सारथी ने बताया कि उन्हें प्रतिमाह योजना की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। मोबाइल पर राशि जमा होने का संदेश मिलते ही उन्हें आत्मविश्वास और संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि पहले अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना से प्राप्त राशि से वे अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को स्वयं पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि नियमित आर्थिक सहायता मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवार में उनकी सहभागिता भी अधिक सशक्त हुई है। योजना से प्राप्त राशि उनके लिए आर्थिक संबल साबित हो रही है तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रही है। श्रीमती हेमा सारथी ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से महिलाओं को सम्मानपूर्वक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने का अवसर मिल रहा है तथा वे आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही हैं।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी
सिमगा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा

क्रमांक/ /तह./वा./26
सिमगा, दिनांक 06/07/2026
रा.प्र.क्र. ..../ब-121/2025-26
ग्राम-कचलोन प.ह.नं. 14

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता आवेदक संजय निषाद पिता खोरबाहरा जाति केवट निवासी ग्राम कचलोन थाना सिमगा तहसील सिमगा जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) ने आवेदन मय शपथपत्र पेश कर निवेदन किया है कि उनकी माता केजिया निषाद पति खोरबाहरा का (मृत्यु) दिनांक 31/07/2024 को कचलोन कचलोन में होने पर भूलवश मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाने के कारण मृत्यु पंजीयन दर्ज कर प्रमाण पत्र की मांग किया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपति हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 21/07/2026 को दावा आपति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक. 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
सिमगा

एक नजर

पत्रकार विभाष कुमार झा को पीएचडी

रायपुर, 13 जुलाई। वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षक विभाष कुमार झा को शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई (जिला दुर्ग) द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। डॉ. झा ने 'आध्यात्मिक संचार में ओशो का योगदान : एक समग्र अध्ययन' विषय पर अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह शोध कार्य उन्होंने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोध निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. धनेश जोशी के निर्देशन में संपन्न किया। डॉ. झा का शोध आध्यात्मिक संचार के क्षेत्र में ओशो के विचारों, उनकी संप्रेषण शैली तथा समाज पर उनके प्रभाव का व्यापक अध्ययन प्रस्तुत करता है। जनसंचार विषय के अंतर्गत ओशो पर केन्द्रित यह देश में दूसरा शोध अध्ययन है।

एमेजॉन इंडिया और फिक्की एफएलओ ने पार्टनरशिप की

रायपुर, 13 जुलाई। एमेजॉन इंडिया ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री लेडीज ऑर्गेनाईजेशन (फिक्की एफएलओ) के साथ एक मैमोरेंडम ऑफअंडरस्टैंडिंग साईन किया है, जिसके अंतर्गत महिला एंटरप्रेन्योर्स, एनजीओ और सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स को एमेज़ॉन.इन पर अपना बिजनेस शुरू करने और बढ़ाने में मदद की जाएगी। इस पार्टनरशिप के अंतर्गत एमेजॉन और फिक्की एफएलओ महिला सेलर्स को खोजकर उन्हें डिजिटल कॉमर्स के सफर में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। यह पहल महिला एंटरप्रेन्योर्स को एमेजॉन.इन पर लाने पर केंद्रित होगी। उन्हें मार्केटप्लेस की प्रक्रियाओं को समझने और अपनी ऑनलाईन विजिबिलिटी बढ़ाने वाले टूल्स का इस्तेमाल करने में मदद की जाएगी। महिला सेलर्स को ट्रेनिंग, एकाउंट मैनेजमेंट असिस्टैंस और मार्केटप्लेस के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि वो एमेजॉन.इन पर अपना बिजनेस बढ़ा सकें।

भारत में प्राइम डे का 10वां संस्करण सबसे तेज

रायपुर, 13 जुलाई। अमेज़न इंडिया ने आज घोषणा की कि उसका 10वां प्राइम डे संस्करण अब तक का सबसे तेज़ प्राइम डे था, जिसमें अमेज़न नाउ वाले शहरों में डील पर मौजूद हर दो सामानों में से एक सामान महज कुछ मिनटों में डिलीवर कर दिया गया। अक्षय साही, वाइस प्रेसिडेंट ङ्क प्राइम एंड कस्टमर फुलफिलमेंट एक्सपीरियंस, इंडिया एंड इमर्जिंग कंट्रीज, अमेज़न ने कहा, हम अपने ग्राहकों को बड़ी बचत करने में मदद करना पसंद करते हैं, और प्राइम डे वैल्यू, तेज़ डिलीवरी, बेहतरीन डील्स, नए लॉन्च औरब्लॉकबस्टर मनोरंजन का अंतिम उत्सव है जो प्राइम मेंबरशिप प्रदान करती है। और प्राइम डे का 10वां संस्करण एक ऐसा मील का पत्थर है जिसे मनाने में हमें देश भर के अपने सेलर्स, पार्टनर्स और लाखों ग्राहकों के साथ गर्व महसूस हो रहा है।

नान अध्यक्ष ने ओडिशा की पीडीएस प्रणाली का किया अध्ययन

रायपुर, 13 जुलाई। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने शनिवार को ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर में संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का विस्तृत अध्ययन एवं निरीक्षण किया। इस अध्ययन दौरे का उद्देश्य खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, भंडारण, परिवहन, डिजिटल निगरानी प्रणाली तथा उपभोक्ता हितों से संबंधित व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कर उनके सफल मॉडलों का अध्ययन करना था, ताकि छत्तीसगढ़ की सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाया जा सके। अपने प्रवास के दौरान संजय श्रीवास्तव ने ओडिशा सरकार के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री माननीय कृष्ण चन्द्र पात्रा से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर दोनों के बीच सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने, खाद्यान्न वितरण में आधुनिक तकनीकों के उपयोग, हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने तथा राज्यों के बीच बेहतर समन्वय और अनुभवों के आदान-प्रदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

राउंड टेबल ने किया छह कक्षाओं के भवन का लोकार्पण

रायपुर, 13 जुलाई। रायपुर राउंड टेबल 169 (आरआरटी 169) द्वारा आज शासकीय उच्च विद्यालय, रावाभाठा में नवनिर्मित छह कक्षाओं वाले भवन का लोकार्पण किया गया। लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बने इस भवन का निर्माण पूरी तरह विभिन्न प्रायोजकों से प्राप्त सीएसआर दान से किया गया है। यह परियोजना मात्र नौ महीनों में पूर्ण की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राउंड टेबल इंडिया के एरिया 3 चेयरमैन गगन अरोरा उपस्थित रहे। आरआरटी 169 के चेयरमैन बिट्ठल पासरी ने बताया कि यह पहल राउंड टेबल इंडिया के फ्रीडम थ्रू एजुकेशन अभियान के अंतर्गत शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी प्रायोजक संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके उदार सीएसआर सहयोग और सदस्यों की कड़ी मेहनत से यह भवन इतने कम समय में तैयार हो सका, जिससे सैकड़ों विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

विधानसभा में तीजन बाई को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर, 13 जुलाई। विधानसभा मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही की शुरुआत पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई. मुख्यमंत्री डॉ. विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ वरिष्ठ विधायकों ने तीजन बाई के योगदान को याद किया.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी गायन की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और अपनी विलक्षण प्रतिभा से लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई. उनकी प्रस्तुतियों में गायन और अभिनय का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता था. पात्रों का सजीव चित्रण, ओजपूर्ण वाणी और प्रभावशाली प्रस्तुति श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी. मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साधना और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है. जिस दौर में महिलाओं की पंडवानी गायन में भागीदारी अत्यंत सीमित थी, उस समय उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए अपनी अलग पहचान बनाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनीं. डॉ. तीजन बाई के निधन से छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का एक अनमोल रत्न खो दिया है. उनके जाने से कला एवं सांस्कृतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है. नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह सदन में पहला अवसर है, जब हम किसी पदम् सम्मान से सम्मानित विभूति पर चर्चा कर रहे हैं. डॉ. तीजन बाई का जाना हम सबके लिए अपूरणीय क्षति है. मैं अपने विधायक दल की ओर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ. सँस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ का गौरव विश्व पटल पर स्थापित किया. मैं अपने मंत्रालय की ओर से श्रद्धांजलि देता हूँ. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ऐसे परिवार से थीं, जहाँ शिक्षा का अभाव रहा. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस देश को गौरान्वित किया. उनका जीवन कर्म हम सबके लिए प्रेरित करने वाला है. संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का जीवन बेहद संघर्षमय रहा है.

धरमलाल व राघवेन्द्र उत्कृष्ट विधायक

विधानसभा में उत्कृष्टता अलंकरण की स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने घोषणा की। सत्तापक्ष की ओर से धरमलाल कौशिक तथा प्रतिपक्ष की ओर से राघवेंद्र सिंह उत्कृष्ट विधायक चुने गए। प्रिंट मीडिया से संतराम साहू उत्कृष्ट पत्रकार चुने गए। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से सौरभ सिंह परिहार और राजेश राज संयुक्त रुप से उत्कृष्ट पत्रकार चुने गए।

कार्यमंत्रणा समिति की बैठक, बनी रणनीति

रायपुर, 13 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के सुचारु संचालन और सदन की कार्यवाही को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। विधानसभा के समिति कक्ष में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में सत्र के दौरान होने वाले कार्यों, चर्चा के विषयों तथा सदन की कार्यवाही के संचालन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित कार्यमंत्रणा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सदन की कार्यवाही को गरिमामय, व्यवस्थित और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप संचालित करने पर अपने विचार साझा किए।

बैठक के दौरान विधानसभा के पावस सत्र के एजेंडे, विभिन्न विभागों से जुड़े विधायी कार्यों, शासकीय कार्यों तथा जनहित से संबंधित विषयों पर चर्चा के लिए समय निर्धारण को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच समन्वय बनाए रखते हुए सदन में सार्थक और रचनात्मक चर्चा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से अपेक्षा जताई कि सदन की गरिमा बनाए रखते हुए जनहित के मुद्दों पर गंभीर और सकारात्मक चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया जाता है। इसलिए सभी दलों का दायित्व है कि वे सदन की कार्यवाही में सक्रिय और जिम्मेदार भागीदारी निभाएं।

बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि पावस सत्र के दौरान प्रदेश के विकास, जनकल्याण, कृषि, वित्त, आधारभूत संरचना और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। सरकार अपने विभिन्न विभागों के कार्यों और योजनाओं की जानकारी सदन के समक्ष रखेगी, जबकि विपक्ष भी जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगा। कार्य मंत्रणा समिति की यह बैठक आगामी पावस सत्र की रूपरेखा तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 13 जुलाई। राम मंदिर अयोध्या में चढ़ावा चोरी के विरोध में कांग्रेसजनों ने आज प्रदर्शन किया।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावे झूठे : बैज

रायपुर, 13 जुलाई। खाद की पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावों को किसानों के साथ भद्दा मज़ाक बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि पूरे प्रदेश में खाद की कमी के कारण बोनी और थरहा का काम प्रभावित हो रहा है, किसानी पिछड़ रही है लेकिन सत्ता में बैठे जिम्मेदार केवल फर्जी दावें करके अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग रहे हैं। मात्र 24 हजार टन डीएपी के कागजी आबंटन को अपनी उपलब्धि बता कर श्रेय लेने वाले भाजपा नेताओं को यह बताना चाहिए खुद के ही द्वारा तय लक्ष्य 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन में से केवल 7 लाख 27 हजार 833 मीट्रिक टन खाद ही किसानों को दिया गया है जो कि मांग के आधे से भी कम है। सबसे कम वितरण डीएपी और यूरिया का है जो किसानों के मांग की तुलना में चौथाई भी नहीं है। कभी किस्तों में खाद तो कभी टोकन पर देने के तुगलकी फरमान जारी किए, पिछले साल की तुलना में डीएपी में 40 प्रतिशत कटौती और यूरिया 20 प्रतिशत कम देने का आदेश? फिर टोकन सिस्टम वापस ले लिए, तय लक्ष्य का अब तक आधा भी दिए नहीं फिर यह आबंटन अतिरिक्त कैसे? किसानों को ठगना बंद कर समस्या के समाधान पर ध्यान दे सरकार। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह पहला अवसर है जब जुलाई के महीने में भी किसानों की जरूरत के आधे मात्रा में भी खाद का वितरण नहीं किया गया है। पहले अप्रैल के महीने में ही वितरण शुरू हो जाता था और जून के महीने तक वितरण लगभग पूर्ण हो जाता था। मानसून आने से पहले ही सोसायटियों के गोदाम से होकर किसानों तक खाद पहुंच चुका होता था, अभी आबंटन जारी होने का दावा किया गया है।

देर ना हो जाए संस्था का कैंसर जागरूकता अभियान

रायपुर, 13 जुलाई। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति समाज को जागरूक करने और समय रहते जांच के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संस्था देर ना हो जाए द्वारा कैंसर जागरूकता अभियान एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता नैनीताल की पिंक लेडी आशा शर्मा ने महिलाओं को कैंसर से बचाव, प्रारंभिक लक्षणों की पहचान तथा समय पर जांच और उपचार की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से किया जाने वाला सेल्फ एग्ज़ामिनेशन शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों को पहचानने में सहायक हो सकता है। समय रहते जांच और उचित उपचार से इस बीमारी से प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है।

आशा शर्मा ने महिलाओं को रियूजेबल सेनेटरी पैड के उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा उसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी लाभों के बारे में भी जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं से बिना झिझक अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शताब्दी पांडे ने की। उन्होंने कहा कि कैंसर से लड़ाई केवल अस्पतालों में नहीं, बल्कि घर-घर तक सही जानकारी और जागरूकता पहुँचाने से जीती जा सकती है। जागरूकता, नियमित जांच और समय पर उपचार ही इस बीमारी के विरुद्ध सबसे मजबूत हथियार हैं।

विशेष अतिथि डॉ. वर्णिका मिश्रा ने चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों और आवश्यकता पड़ने पर मिलने वाली सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों से बच्चों के प्रति संवेदनशील रहने तथा किसी भी संकट की स्थिति में तुरंत सहायता लेने का संदेश दिया।

महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त में तीन लाख से अधिक महिलाओं का नाम काटना अन्याय : कांग्रेस

रायपुर, 13 जुलाई। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महतारी वंदन योजना की 29वी क़िस्त में तीन लाख से अधिक महिलाओं का नाम काट दिया गया। ये महिलाओं के साथ धोखा अन्याय है। योजना की पहली किस्त 70 लाख से अधिक महिलाओं को दिया गया था।अब योजना में हर माह महिलाओं का नाम काटा जा रहा है।योजना से पहले ही 40% महिलाये जुड़ नही पायी है। योजना से जुड़े वृद्धा एवं परित्यक्ता पेंशनधारियों को वंदन योजना से मात्र 500 रु क़िस्त दिया जा रहा है। जबकि उन्हें 1500 रु महीना क़िस्त मिलना था।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा भाजपा ने सरकार बनने पर महतारी वंदन योजना में सभी महिलाओं को 1 हजार महीना देने का वादा किया था।सत्ता मिलने के बाद योजना का लाभ देने महिलाओं में भेदभाव किया जा रहा है। अब योजना से जुड़ी महिलाओं के नाम काटे जा रहे है।

मांग करती है 29वीं क़िस्त से वंचित तीन लाख से अधिक महिलाओं को तत्काल क़िस्त का भुगतान किया जाये। महतारी वंदन योजना से वंचित 40% महिलाओं को जोड़ने पोर्टल को खोला जाये ताकि प्रदेश की सभी महिलाओ को योजना का लाभ मिल सके।

14 जुलाई को शिवसेना का स्थापना दिवस

रायपुर 13 जुलाई। 984 को छत्तीसगढ़ में शिवसेना के संगठन का गठन किया गया। स्थापना के बाद से ही संगठन लगातार छत्तीसगढ़ियों के अधिकारों, सम्मान एवं जनहित के विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए संघर्ष करता आ रहा है। शिवसेना प्रदेश महासचिव रेशम जांगड़े ने बताया कि प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के नेतृत्व में पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की मांग को लेकर भोपाल, दिल्ली सहित अनेक स्थानों पर आंदोलन एवं प्रदर्शन आयोजित किए गए। इसी क्रम में दंतेवाड़ा स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मोर्चा निकाला गया, जिसने छत्तीसगढ़ी अस्मिता एवं स्वाभिमान की आवाज़ को मजबूती प्रदान की। नगरनार इस्पात संयंत्र के निजीकरण के विरोध में रायपुर से बस्तर के नगरनार तक विशाल नगरनार मोर्चा निकाला गया। इस आंदोलन के माध्यम से संयंत्र के निजीकरण का विरोध करते हुए स्थानीय युवाओं के रोजगार एवं क्षेत्रीय हितों की रक्षा की मांग प्रमुखता से उठाई गई। शिवसेना द्वारा हिन्दू राष्ट्र की मांग को लेकर दिल्ली सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन एवं जनआंदोलन आयोजित किए गए। गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने जैसे कई हिंदुत्व के मुद्दों पर भी शिवसेना सक्रिय रूप से आंदोलन करती रही है।

आदर्श मित्रता दिवस पर अंतरधार्मिक मित्रों का होगा सम्मान

रायपुर, 13 जुलाई। समाज में आपसी विश्वास, भाईचारा, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुस्लिम इंटेलेक्चुअल फ़ोरम एवं सर्व आस्था मंच के संयुक्त तत्वावधान में 'आदर्श मित्रता दिवस' का आयोजन 2 अगस्तप्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विमतारा हॉल, न्यू शांति नगर, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य ऐसे मित्रों को समाज के सामने लाना और सम्मानित करना है, जिन्होंने धर्म, पंथ, जाति, भाषा अथवा समुदाय की भिन्नताओं के बावजूद दशकों तक मित्रता, विश्वास, प्रेम, सम्मान और इंसानियत का रिश्ता निभाकर सामाजिक समरसता की मिसाल कायम की है। आयोजकों का मानना है कि ऐसे रिश्ते भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत, गंगा-जमुनी तहज़ीब और विविधता में एकता की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम के लिए रायपुर एवं आसपास के क्षेत्रों से ऐसे दो या तीन मित्रों के समूह आमंत्रित किए जा रहे हैं, जो अलग-अलग धर्म, पंथ या समुदाय से संबंधित हों तथा लगभग 30 वर्ष या उससे अधिक समय से मित्रता के अटूट बंधन में जुड़े हों। इच्छुक प्रतिभागी अपने नाम, संक्षिप्त परिचय, संपर्क विवरण तथा अपनी मित्रता की प्रेरक कहानी आयोजन समिति को भेज सकते हैं।

राज्य पुलिस सेवा के अफसरों का तबादला

रायपुर, 13 जुलाई। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने सोमवार को राज्य पुलिस सेवा के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 13 जुलाई 2026 को मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर अटल नगर से जारी किया गया। प्रशासनिक आधार पर किए गए इन स्थानांतरणों को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू किया गया है। तारकेश्वर पटेल को मध्य जोन का पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। श्रीमती दीपमाला कश्यप उत्तर जोन की पुलिस उपायुक्त होंगी। श्रीमती अर्चना झा पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल का काम देखेंगी।

थाना प्रभारियों का तबादला

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा जारी आदेश के अनुसार रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में निरीक्षकों (टीआई) के तबादले एवं नई पदस्थापना की गई है। पुलिस कमिश्नर कार्यालय द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक सतीश सिंह गहरवार को थाना प्रभारी कोतवाली के पद पर यथावत रखते हुए एसीसीयू का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

वहीं निरीक्षक राजेश कुमार सिंह को यातायात शाखा से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी आजाद चौक नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार निरीक्षक पारस राम पटेल को यातायात शाखा से थाना प्रभारी सरस्वती नगर तथा निरीक्षक नरेन्द्र कुमार साहू को यातायात शाखा से थाना प्रभारी गुढ़ियारी के पद पर पदस्थ किया गया है। पुलिस कमिश्नर कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि सभी स्थानांतरण एवं पदस्थापना आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

चेतावनी — रायपुर में पब-बार वालों को पुलिस का अल्टीमेटम

नियम तोड़ने पर लाइसेंस होगा रद्द

रायपुर, 13 जुलाई। शहर में रात के वक्त होटल, बार, क्लब और ढाबों से निकलने वालों की बढ़ती हुड़दंगबाजी और शराब पीकर वाहन चलाने वालों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई। इन शिकायतों के बाद पुलिस ने अब सख्ती शुरू कर दी है। एसीपी सिविल लाइन और टीआई तेलीबांधा ने पब, बार, होटल और ढाबा संचालकों की बैठक लेकर साफ हिदायत दी। इस बैठक में होटल, क्लब, बार और ढाबा व्यवसाय से जुड़े शहर के सभी व्यापारी मौजूद थे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने साफ साफ शब्दों में सभी संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि शहर में अब नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समय पर बंद करें प्रतिष्ठान : पुलिस ने सभी पब, बार, होटल और ढाबा संचालकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रतिष्ठान बंद करने के निर्देश दिए। समय के बाद प्रतिष्ठान खुला पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नाबालिगों पर पूरी तरह रोक: किसी भी क्लब, पब या बार में 18 साल से कम उम्र के लड़के-लड़कियों को प्रवेश न देने के सख्त निर्देश दिए गए। इसके साथ ही किसी भी जगह पर शराब न परोसने की बात कही गई है। नियम तोड़ने पर संचालक के खिलाफवैधानिक कार्रवाई होगी।

पार्किंग और यातायात व्यवस्था: प्रतिष्ठान के सामने सड़क पर गाड़ियां खड़ी न करने को कहा गया। सभी ग्राहकों के वाहनों को निर्धारित पार्किंग में ही रखने के निर्देश दिए गए। इससे तेलीबांधा-शंकर नगर मार्ग पर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी।

नशे पर जीरो टॉलरेंस: पुलिस ने कहा कि प्रतिष्ठान के सामने या वाहन में बैठकर कोई भी व्यक्ति नशा करते पाया गया तो सीधे ङ्कऔर वाहन जब्ती की कार्रवाई होगी। संचालकों को भी अपने यहां नशा न करने देने की जिम्मेदारी दी गई।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26